INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-76 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 13 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

सिस्टम पर सवाल.. मनरेगा में 'चेहरे' का खेल

एक ही फोटो से लगाई जा रहीं दर्जनों हाजिरियां

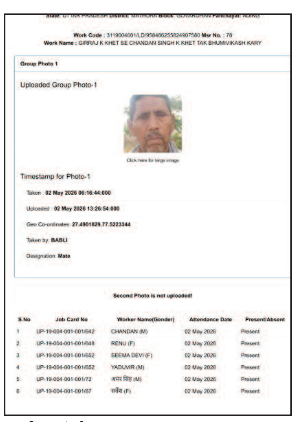

Work Code : 3119004001/LD/958486255824907580 Msr No. : 78
Work Name : GIRRAJ K KHET SE CHANDAN SINGH K KHET TAK BHUMIVIKASH KARY

Group Photo 1

Uploaded Group Photo-1

Click here for large image

Timestamp for Photo-1

Taken : 02 May 2026 06:16:44:000

Uploaded : 02 May 2026 13:26:54:000

Geo Co-ordinates: 27.4901829,77.5223344

Taken by: BABLI

Designation: Mate

Second Photo is not uploaded!

S.No	Job Card No	Worker Name(Gender)	Attendance Date	Present/Absent
1	UP-19-004-001-001/642	CHANDAN (M)	02 May 2026	Present
2	UP-19-004-001-001/648	RENU (F)	02 May 2026	Present
3	UP-19-004-001-001/652	SEEMA DEVI (F)	02 May 2026	Present
4	UP-19-004-001-001/652	YADUVIR (M)	02 May 2026	Present
5	UP-19-004-001-001/72	अमर सिंह (M)	02 May 2026	Present
6	UP-19-004-001-001/87	सर्वेश (F)	02 May 2026	Present

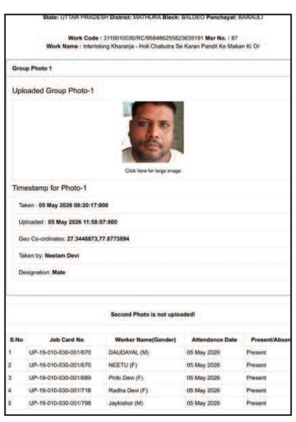

State: UTTAR PRADESH District: MATHURA Block: BALDEO Panchayat: BARAULI

Work Code : 3119010030/RC/958486255823635191 Msr No. : 87
Work Name : Interloking Kharanja - Holi Chabutra Se Karan Pandit Ke Makan Ki Or

Group Photo 1

Uploaded Group Photo-1

Click here for large image

Timestamp for Photo-1

Taken : 05 May 2026 08:20:17:000

Uploaded : 05 May 2026 11:58:07:000

Geo Co-ordinates: 27.3446873,77.8773894

Taken by: Neelam Devi

Designation: Mate

Second Photo is not uploaded!

S.No	Job Card No	Worker Name(Gender)	Attendance Date	Present/Absent
1	UP-19-010-030-001/670	DAUDAYAL (M)	05 May 2026	Present
2	UP-19-010-030-001/670	NEETU (F)	05 May 2026	Present
3	UP-19-010-030-001/689	Pinki Devi (F)	05 May 2026	Present
4	UP-19-010-030-001/718	Radha Devi (F)	05 May 2026	Present
5	UP-19-010-030-001/798	Jaykishor (M)	05 May 2026	Present

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। गरीब मजदूरों को रोजगार की गारंटी देने वाली देश की सबसे बड़ी योजना मनरेगा अब मथुरा में डिजिटल ठगी के शिकंजे में दिखाई दे रही है। मार्च 2026 से लागू फेस ऑथेंटिकेशन व्यवस्था, जिसे फर्जी मजदूरों और भूतिया हाजिरी रोकने के लिए लागू कर दावा किया गया था कि फर्जी हाजिरी पर पूरी तरह लगाम लगेगी, अब कई पंचायतें खुद सवालों के घेरे में हैं। यूनिक समय की पड़ताल में ऐसे कई स्क्रीनशॉट, फोटो और मस्टर रोल सामने आए हैं जिनमें एक ही चेहरे को कई मजदूरों की उपस्थिति के साथ जोड़ा गया दिखाई दे रहा है।

बल्देव ब्लॉक की बरौली, गोवर्धन की अडींग—महरोली, राया की नगला

फेस ऑथेंटिकेशन बना फर्जीवाड़े का हथियार

फेस ऑथेंटिकेशन की आड़ में, सरकारी खजाने का बंटाधार

हरी और फरह की किरारई—मिर्जापुर पंचायतों में यह खेल खुलेआम चलने के आरोप हैं। दावा है कि कई लोग कार्यस्थल पर पहुंचे ही नहीं, फिर भी एनएमएमएस ऐप पर उनकी उपस्थिति दर्ज हो रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन मस्टर रोलों में कई मजदूरों की उपस्थिती दर्ज हुई है उन मस्टर रोलों में सिर्फ एक ही मजदूर का फोटो दिखाई दे रही है और यह सब एमआईएस में दर्ज भी हो रहा है। आलम यह है कि मथुरा में 3,4,5,6 मई को चल रही मस्टर रोलों में ब्लॉक बल्देव की पंचायत बरौली में मस्टर रोल संख्या 87, ब्लॉक गोवर्धन की पंचायत महरोली में मस्टर रोल संख्या 54, 86, पंचायत अडींग में मस्टर रोल संख्या 73, 74, 78, ब्लॉक फरह की पंचायत मिर्जापुर में मस्टर रोल संख्या 180, पंचायत किरारई में मस्टर रोल संख्या 181, 182, 183, 184, ब्लॉक राया की पंचायत नगला हरी में मस्टर रोल संख्या छह में एक चेहरा फोटो के साथ एक ही मस्टर रोल में एक से अधिक कई मजदूरों की उपस्थिति दर्ज हुई है। मार्च 2026 से सरकार ने निर्देश दिए थे कि मेट, रोजगार सेवक या पंचायत सहायक कार्यस्थल पर ही लाइव फेस स्कैन करेंगे, जिससे मजदूर की असली उपस्थिति सुनिश्चित हो सके। लेकिन अब सवाल उठ रहा है कि क्या सिस्टम को तकनीकी खामियों और स्थानीय मिलीभगत के जरिए बाईपास किया जा रहा है?

सूत्रों के मुताबिक कुछ मामलों में पुरानी फोटो, गैलरी इमेज या एक ही व्यक्ति के बार—बार फेस स्कैन से उपस्थिति दर्ज करने की आशंका है। यदि यह सच है तो यह सिर्फ तकनीकी गड़बड़ी नहीं बल्कि संगठित सरकारी धन की लूट का बड़ा मामला बनता दिख रहा है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर की निगरानी व्यवस्था आखिर कर क्या रही है? यदि मस्टर रोल और एनएमएमएस फोटो का मिलान समय पर होता तो क्या यह खेल इतने बड़े स्तर तक पहुंच पाता? अब मांग उठ रही है कि संबंधित पंचायतों के सभी मस्टर रोल, फेस लॉग, जीपीएस लोकेशन और भुगतान रिकॉर्ड की तत्काल फोरेंसिक जांच कराई जाए। दोषियों पर एफआईआर, वसूली और निलंबन जैसी कार्रवाई के बिना यह खेल रुकना मुश्किल माना जा रहा है।

जिम्मेदार अफसरों ने साधी चुप्पी

ब्लॉक राया के बीडीओ सतेन्द्र सिंह और गोवर्धन के गिरीश पंत ने फोन रिसीव करना ही मुनासिब नहीं समझा। बल्देव की नेहा रावत और फरह के प्रवीन कुमार ने कहा कि मामले को दिखवाएंगे। वहीं उपायुक्त श्रम रोजगार विजय कुमार पांडेय ने मामले में स्थित स्पष्ट करने की बजाय चुप्पी साधते हुए कहा कि डीएम साहब से वर्जन ले लें में अधिकृत नहीं हूँ।

सीबीएसई 12वीं में बेटियों ने फिर मारी बाजी

राजीव इंटरनेशल स्कूल की छात्राएं खुशी से उछलती हुईं।

यूनिक समय, मथुरा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित कर दिया है। इस वर्ष कुल 85.20 प्रतिशत छात्र—छात्राएं सफल घोषित किए गए हैं। हालांकि पिछले साल की तुलना में पास प्रतिशत में 3.19 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन लड़कियों ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन कर लड़कों को पीछे छोड़ दिया।

सीबीएसई के आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष लड़कियों का पास प्रतिशत 88.86 रहा, जबकि लड़कों का परिणाम 82.13 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं ट्रांसजेंडर छात्रों ने लगातार शत—प्रतिशत सफलता हासिल की है। बोर्ड के मुताबिक लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से 6.73 प्रतिशत बेहतर रहा।

परीक्षा में शामिल छात्र अब

85 .20 प्रतिशत छात्र—छात्राएं परीक्षा में सफल घोषित

त्रिवेंद्रम रीजन ने देशभर में हासिल किया पहला स्थान

आधिकारिक पोर्टल, डिजिलॉकर और उमंग ऐप के माध्यम से अपना परिणाम देख सकते हैं। क्षेत्रवार प्रदर्शन में त्रिवेंद्रम 95.62 प्रतिशत परिणाम के साथ देशभर में पहले स्थान पर रहा। वहीं केंद्रीय विद्यालयों ने 98.55 प्रतिशत पास प्रतिशत के साथ संस्थानों में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया।

बोर्ड अधिकारियों के अनुसार इस बार परीक्षा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाया गया था।

मथुरा से भ्रष्टाचार की काफी शिकायतें मिल रही हैं, सुधार लो

चुनावी साल है, कार्यकर्ताओं की पहले सुनिए : केशव

बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य।

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि चुनावी साल है, इसलिए पहले कार्यकर्ताओं की सुनिए। आजादी की सौवीं साल में हर गांव विकास पथ पर होगा। हर घर को शुद्ध और मीठा पानी दो साल में दिया जाएगा। उन्होंने 2027 में प्रचंड बहुमत से प्रदेश में भाजपा सरकार के फिर से सरकार बनाने की बात कही।

तय समय से करीब पौन घंटे की देरी से पुलिस लाइन में हेलीकॉप्टर से उतरे डिप्टी सीएम पहले से जारी कार्यक्रम के इतर वृंदावन स्थित बांकेबिहारी दर्शन को चले गए। वहां से करीब 12:20 लौटकर कलेक्ट्रट सभागार पहुंचे, जहां पार्टी पदाधिकारियों और अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा कि चुनावी वर्ष है, इसलिए अधिकारी कार्यकर्ताओं की सुनें। इस वर्ष में काम कराने पर अधिक ध्यान दिया जाए।

डिप्टी सीएम ने कहा कि यहां से भ्रष्टाचार की काफी शिकायतें मिल रही हैं। इसलिए जिस थाने और चौकी की शिकायत मिले, उसकी पहले जांच मत कराओ, जांच तो चलती रहती है। संबंधित चौकी प्रभारी— थाना प्रभारी को तत्काल हटा दीजिए, इसमें भी जातिवाद मत देखिए। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को विकास और कानून को लेकर आवश्यक निर्देश भी दिए।

बैठक में राज्य सभा सदस्य तेजवीर सिंह, एमएलसी ओमप्रकाश सिंह, विधायक राजेश चौधरी, पूरन प्रकाश, मेघश्याम सिंह, मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी, कोसी पालिकाध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल, डीएम सीपी सिंह, सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, एसएसपी श्लोक कुमार के अलावा अन्य जिलास्तरीय अधिकारी और भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय, महानगर जिलाध्यक्ष हरीशंकर यादव आदि जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

आजादी के सौवें साल में हर गांव को विकास पथ पर लाने का तय किया गया है लक्ष्य

प्रचंड बहुमत से बनाएंगे यूपी में सरकार: मौर्य

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार के बाहर पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के सौवें साल तक हर गांव को विकास पथ पर लाने का काम होगा। अगले दो साल में हर गांव के हर घर को शुद्ध और मीठा पानी उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारी सीयूजी नंबर नहीं रिसीव करते हैं के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि सूचना अधिकारी को बताइये, वह संबंधित अधिकारी से बात करा देगा। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि काशी और प्रयागराज में जैसा धार्मिक विकास हुआ है, वैसा ही मथुरा–वृंदावन में होगा। समस्याओं को दूर करने का काम होगा। निर्माण कार्य से किसी को परेशानी नहीं होगी। अवैध बाजारों पर कार्रवाई की जाएगी। डबल इंजन की सरकार में विकास का काम और तेजी से होगा। उन्होंने कहा कि बैठक में जो निर्देश िए गए हैं उन पर अमल करने को भी कहा गया है। 2027 में प्रचंड बहुमत से यूपी में तीसरी बार सरकार बनाने की मंशा जताते हुए उन्होंने तीन राज्यों में भाजपा की सरकार बनने पर बधाई दी है। संकल्प दिलाया है कि कार्यकर्ता तीसरी बार यूपी में सरकार बनाने को जुट जाएं। अगले चुनाव में सपा का नंबर नहीं आएगा। यूपी में अभी काम बाकी है, इसलिए भाजपा की सरकार बनेगी। विकसित भारत के साथ विकसित उत्तर प्रदेश बनेगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या, काशी के साथ ही मथुरा भी हमारी प्राथमिकता में है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा नेता अर्पणा यादव के पति प्रतीक यादव की मौत पर संवेदना जताई। कहा कि हमारी संवेदना उनके साथ हैं।

मीडियाकर्मियों ने काटा हंगामा

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के जारी किए गए कार्यक्रम में वृंदावन का कार्यक्रम नहीं था। वह पुलिस लाइन के हेलीपेड पर उतरे और बांकेबिहारी दर्शन की इच्छा जताई तो अधिकारियों ने तत्काल व्यवस्था की। अचानक बांकेबहिारी दर्शन का कार्यक्रम शामिल होने से डिप्टी सीएम का तय कार्यक्रम लेट होता चला गया। बैठक के दौरान काफी मीडियाकर्मी सभागार में प्रवेश कर गए, जहां देरी होने को लेकर कई मीडियाकर्मी हंगामा करने लगे।

भूतपूर्व सैनिक परिषद को नहीं देने दिया ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को भूतपूर्व सैनिक परिषद के पदाधिकारी समस्याओं को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को ज्ञापन देने पहुंचे। काफी इंतजार के बाद भी पूर्व सैनिक डिप्टी सीएम को ज्ञापन नहीं दे सके।

भूतपूर्व सैनिक परिषद के पदाधिकारी जनपद में अवैध रुप से निर्मित मजारों और धार्मिक ढाचों के माध्यम से किए जा रहे अवैध अतिक्रमण की जांच कराने, नशे और अवैध मांस कारोबार चलने के अलावा धर्मांतरण संबंधी मामलों की जांच के लिए डिप्टी सीएम को ज्ञापन देने गए, पुलिस के अधिकारियों ने उनको कई बाद डिप्टी सीएम से मिलवाने का भरोसा दिया, लेकिन अंत तक उनको मिलने नहीं दिया गया। भूतपूर्व सैनिक परिषद के अध्यक्ष सूबेदार ललित कुमार ने बताया कि जनपद में महिलाओं के साथ धोखाधड़ी हो रही है, पहचान छिपाकर उनके साथ अपराध किए जा रहे हैं। भूतपूर्व सैनिकों के साथ पुलिस का रवैया भी ठीक नहीं है। पुलिसकर्मी आए दिन अनुचित व्यवहार और उत्पीड़न करते हैं। इस दौरान सूबेदार जीवन, कैप्टन मोरपाल, कैप्टन हरपाल, कैप्टन अमित कुमार तोमर, रूपेंद्र, महावीर सिंह आदि मौजूद रहे।

ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के दर्शन करते डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य। साथ में विधायक राजेश चौधरी और सेवायत गोपी गोस्वामी।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद पहुंचे ठाकुर बांकेबिहारी की शरण

यूनिक समय, वृंदावन। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आज ठाकुर बांकेबिहारी महाराज की शरण में पहुंचे। उन्होंने यहां दर्शन कर पूजा अर्चना की। उनके साथ विधायक राजेश चौधरी भी थे। सेवायत गोपी गोस्वामी ने पूजा अर्चना कराई। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के सामने हाथ जोड़कर प्रदेश और देश की समृद्धि की कामना की। वहीं उन्होंने दावा किया कि अगले साल 2027 में यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा स्पष्ट जनादेश के साथ तीसरी बार सरकार बनाएगी।

प्रदेश और देश की समृद्धि की कामना की

सफाई के बाद नालों को ढकवाया जाए

यूनिक समय, मथुरा। बृज यातायात एवं पर्यावरण जन जनजागरूकता समिति उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने मथुरा-वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त को पत्र लिखकर सफाई के बाद नालों को जल्द ढकवाने की मांग की है। कहा कि खुले नालों के कारण मथुरा में अब तक कई हादसे हो चुके हैं। कुछ दिन पहले एक महिला व उसका बच्चा नाले में गिर गए थे। पुनरावृत्ति रोकने के लिए नालों को ढकवाया जाए।

मथुरा में स्वयं सहायता समूहों की नई पाठशाला शुरू

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और स्वयं सहायता समूहों को अधिक व्यवस्थित बनाने की दिशा में बुधवार से जिला ग्राम्य विकास प्रशिक्षण संस्थान, दामोदरपुरा में तीन दिवसीय लेखपाल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत आयोजित इस प्रशिक्षण में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को लेखांकन, बचत, बैंकिंग, रिकॉर्ड संधारण और डिजिटल वित्तीय प्रबंधन की बारीकियां सिखाई जा रही हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के नंदगाँव, गोवर्धन और मथुरा विकास खंड से आई महिलाओं ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में औरैया से आई प्रशिक्षक (डीआरपी) विद्या सिंह सेंगर और झाँसी से आई नीतू सिंह ने बताया कि समूहों की सफलता केवल बचत तक सीमित नहीं है, बल्कि सही लेखा–जोखा और पारदर्शी वित्तीय संचालन से ही समूह आत्मनिर्भर बनते हैं। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को कैशबुक संचालन, लेन–देन रजिस्टर, बैंक समन्वय, बैठक अभिलेख और डिजिटल एंट्री की जानकारी दी जा रही है। जिले में ई–बुक कीपर एम-1 के कुल 50 बैच संचालित किए जाएंगे। प्रत्येक बैच में 60 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण माह अप्रैल से जून तक विभिन्न विकासखंडों के एसएचजी लेखपालों को प्रशिक्षित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से आयोजित किया जा रहा है। 13 मई से शुरू हुआ यह बैच तीन दिन तक चलेगा। इस पहल से गांवों में स्वयं सहायता समूहों की कार्यप्रणाली अधिक मजबूत होगी और महिलाएं आर्थिक निर्णयों में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला ग्राम्य विकास प्रशिक्षण संस्थान के प्रबन्धन की ओर से हरीश कुमार शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षकों द्वारा महिलाओं को वित्तीय अनुशासन और समूह संचालन की जिम्मेदारियों के प्रति हिसाब –किताब का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

महिलाएं सीखेंगी हिसाब–किताब और डिजिटल प्रबंधन

तापमान / मौसम

39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,62,550
22 कैरेट 1,49,546
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,62,813 प्रति किलो

ग्रामीण न्याय व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा के ग्रामीण क्षेत्रों में न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए ग्राम न्यायालयों में न्यायिक अधिकारियों की नई तैनाती सूची जारी की है। जारी अधिसूचना के अनुसार प्रदेशभर में कुल 55 न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति और स्थानांतरण किए गए हैं, जिनमें मथुरा भी प्रमुख रूप से शामिल है।

23 अप्रैल को जारी अधिसूचना में ग्राम न्यायालय अधिनियम 2008 की धारा 5 के अंतर्गत यह नियुक्तियां की गई हैं। शासन ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय से परामर्श के बाद सिविल जज जूनियर डिवीजन और न्यायिक मजिस्ट्रेट संवर्ग के अधिकारियों को विभिन्न ग्राम न्यायालयों में तैनात किया है।

मथुरा जिले के लिए सबसे अहम बदलाव मांट ग्राम न्यायालय में देखने को मिला है। अधिसूचना के अनुसार भाटपार रानी–देवरिया में तैनात न्यायाधिकारी सिद्धी जय प्रकाश को मांट ग्राम न्यायालय में न्यायाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। वहीं छाता–मथुरा में तैनात अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन सुमित कुमार यादव का तबादला लालगंज (मिर्जापुर) ग्राम न्यायालय में किया गया है। इससे मांट के ग्रामीण क्षेत्रों में लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी और गांव स्तर पर लोगों को सुलभ न्याय मिल सकेगा। ग्राम न्यायालय व्यवस्था का उद्देश्य छोटे और स्थानीय विवादों का त्वरित समाधान करना है, ताकि ग्रामीणों को जिला मुख्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

मांट ग्राम न्यायालय को मिला नया न्यायाधिकारी

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

महावन पुलिस को मिली बड़ी सफलता

तस्कर और सिपाही गिरफ्तार 20 किलो गांजा-नकदी बरामद

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन पुलिस ने दो लोगों को बाइक से 20 किलो ग्राम गांजा ले जाते गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में एक डायल 112 पर तैनात सिपाही भी है। सिपाही को निलंबित कर दिया गया है। अभियुक्त से दो लाख रुपये से अधिक की नकदी भी बरामद की गई है।

एसपीआरए शंकर सिंह रावत ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान महावन पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गांजा तस्करी करने वाले अभियुक्त पुष्पेंद्र निवासी पचावर थाना महावन को पूठा चौराहे पर एक मोटरसाइकिल से जाते हुए चेकिंग के लिए रोक लिया। उसके साथ सिपाही अनिल कुमार नगला दीपा थाना वेदपुरा जनपद इटावा है।

सिपाही मथुरा में डायल 112 में तैनात है। पुलिस को तलाशी के दौरान एक बैग में 20 किलो अवैध गांजा के अलावा दो लाख 520 रुपये भी बरामद हुए है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करने के बाद उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

गांजा तस्करी में गिरफ्तार तस्कर और डायल 112 पर तैनात सिपाही।

बाइक से जा रहे थे तस्कर और सिपाही

विभाग में छिपे ऐसे कर्मियों पर रखनी होगी नजर

यूनिक समय, मथुरा। गांजा तस्करी जैसे अपराध में डायल 112 के सिपाही के शामिल होने से पुलिस विभाग की जनता में छवि धूमिल हो रही है। अगर पुलिसकर्मी ही इस तरह अपराधियों का साथ देकर अपराध को बढ़ावा देंगे तो पुलिस भी अपराधियों पर अंकुश किस तरह लगा पाएगी यह एक सवाल खड़ा हो रहा है। विभाग में इस तरह के कर्मचारियों पर अधिकारियों को नजर रखनी होगी जिससे पुलिस की जनता में बिगड़ती छवि सुधरेगी।

एसएसपी ने सिपाही को किया निलंबित जांच के दिए आदेश

यूनिक समय, मथुरा। डायल 112 पर तैनात सिपाही अनिल कुमार को एसएसपी श्लोक कुमार ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

इसके साथ ही उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सिपाही से बरामद मोबाइल फोन के डाटा को भी चेक किया जा रहा है। इसके साथ ही इस बात का भी जांच की जा रही है कि बरामद रुपये कहां से आए है।

ट्रेन में सवार यात्री को आया हार्ट अटैक, मौत

यूनिक समय,मथुरा। हजरत निजामुद्दीन से दक्षिण एक्सप्रेस से हैदराबाद के लिए यात्रा करते एक यात्री के अचानक सीने में दर्द हुआ। परिवार के लोगों ने इसकी शिकायत रेलवे अधिकारियों से की। ट्रेन के मथुरा जंक्शन पर रुकने से पूर्व ही यात्री ने दम तोड़ दिया।

बताया गया कि हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से इमसावनिया (46) पुत्र पी. अशोक कुमार निवासी हैदराबाद अपने परिवार के साथ हैदराबाद के लिए दशिक्षण एक्सप्रेस से यात्रा कर रहा था। बताया गया कि ट्रेन के स्टेशन से छूटने के बाद रास्ते में इमसावनिया को सीने में दर्द की शिकायत हुई। दर्द के तेज होने पर परिवार के लोगों ने अगला स्टेशन आने पर ट्रेन को रुकवाकर पीड़ित को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने को कहा गया। बताया गया ट्रेन के मथुरा जंक्शन पर रुकने के बाद स्टेशन पर मौजूद चिकित्सक ने इमसावनिया का परीक्षण किया, लेकिन उस समय तक उसकी मौत हो चुकी थी। राजकीय रेलवे पुलिस ने ट्रेन से शव को उतरवाकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इमसावनिया की मौत से परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस ने स्टेशन पर शव उतार कराया पोस्टमार्टम

यमुना एक्सप्रेस वे पर बाइक दुर्घटना ग्रस्त,दो युवक घायल

यूनिक समय, मथुरा। मांट थाना क्षेत्र स्थित यमुना एक्सप्रेस वे पर सड़क पर घायल अवस्था में पड़े बाइक सवारों को वहां से गुजरते मांट के विधायक राजेश चौधरी ने गाड़ी रोकर कर एम्बुलेंस से हॉस्पिटल पहुंचवाया।

बताया गया कि बीती देर रात यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन संख्या 91 पर सड़क पर दो युवक घायलावस्था में पड़े हुए थे। वहीं नजदीक उनकी बाइक भी सड़क पर पड़ी थी। दुर्घटना जहां हुई थी वहां सड़क बहुत सुनसान थी। मांट के विधायक राजेश चौधरी अपनी गाड़ी से नोएडा से आ रहे थे। उन्होंने घायलों को सड़क पर पड़ा देख कर अपनी गड़ी को रोका और पुलिस और एक्सप्रेस वे की एम्बुलेंस को बुलवाया और दोनों घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया। बताया गया कि घायलों में राजकुमार पुत्र सत्यपाल निवासी बचावली जिला बुलंदशहर व दूसरे का नाम सुनील पुत्र हरवीर निवासी जिला भरतपुर हैं। दोनों युवक बाइक से नोएडा से आ रहे थे। बाइक के समाने अचानक कुत्ता के आने के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ गया और दुर्घटना हो गई। इस बारे में घायलों के परिवारों को भी सूचना दी गई है। दोनों का इलाज चल रहा है।

घायलों को मांट विधायक ने हॉस्पिटल पहुंचवाया

कबाड़ बीनने वाले युवक की गर्मी के चलते मौत

यूनिक समय मथुरा। थाना बल्देव के गांव मीरपुर में कल एक कबाड़ा बीनने वाले युवक की अचानक हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। युवक की शिनाख्त बल्देव निवासी चुन्नी के रूप में की गई है।

बताया गया कि कैलाश रोड होली वाला मोहल्ला का रहने वाला युवक चुन्नी कबाड़ा बीनने का काम करता था। कल भी वह घर से कबाड़ा बीनने के लिए गांव मीरपुर गया था। दोपहर में पढ़ने वाली तेज धूप के चलते उसे गांव में चक्कर आ गए। उसकी हालत देख ग्रामीणों ने उसे ठंडा पानी पिलाया। इसके बाद कुछ खाने को भी दिया। युवक ने कुछ राहत महसूस की। बताया गया कि बाद में गांव में ही उस युवक की मौत हो गई। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अज्ञात में मोरचरी भेज दिया। शव की शिनाख्त कराने का पुलिस द्वारा प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान कैलाश रोड होली मौहल्ला में रहने वाले चुन्नी लाल के परिवार को जब इस बात का पता लगा तो उन्होने शव को देख कर उसकी शिनाख्ता की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिवारीजनों को सौंप दिया।

परिवार के लोगों ने की शव की शिनाख्त

रिश्तेदार बनकर आया युवक महिला के आभूषण ले उड़ा

यूनिक समय, कोसीकलां, मथुरा। तांगड़ा मौहल्ले में रिश्तेदार बनकर आया युवक महिला को वशीकरण कर तीन तोला सोने के जेवरात लेकर चंपत हो गया। पुलिस युवक को पकड़ने के लिए सीसी टीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। घटना से इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है।

कोसीकलां के तांगड़ा मौहल्ले में रहने वाले एक युवक ने रिश्तेदार बनकर घर में प्रवेश किया। घर पर उस समय मुन्नी देवी (सास) और उनकी बहु निर्मल ही थी। युवक अपने को नजदीक का रिश्तेदार बताते हुए आत्मीयता के साथ दोनों से बातचीत करने लगा। युवक ने सासा को अपनी बातों में उलझाया और उससे तीन तोले सोने के जेवरात उतरवा लिए। इसके बाद युवक जेवर लेकर चंपत हो गया। मुन्नी देवी को युवक के चले जाने के बाद होश आया तो उसने शोर किया। मुन्नी देवी का कहना है कि युवक ने उसे पर वशीकरण जैसा कुछ कर दिया, जिससे उसको कोई होश नहीं रहा। युवक द्वारा की गई वारदात से इलाके में दहशत फैली हुई है। पुलिस को भी परिवार के साथ हुई इस ठगी का पता लगा तो मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना के बारे में छानबीन की। इसके साथ ही युवक के बारे में पता लगाने के लिए पुलिस ने आस-पास के सीसी टीवी कैमरों की फुटेज को भी खगाला। पुलिस का कहना है कि घटना करने वाले युवक की तलाश की जा रही है। उसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

गौरतलब है कि कल प्रातः यमुना पुल से एक व्यक्ति ने यमुना में छलांग लगाई थी। यमुना में डूबे व्यक्ति की पुलिस और गोताखोरों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं लग सका। काफी प्रयास के बाद देर शाम अज्ञात व्यक्ति का शव यमुना से पुलिस ने बरामद कर लिया।

मृतक की आयु करीब 42 साल है। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद शव को मोरचरी में रखवा दिया है। पुलिस शव की शिनाख्त कराने के प्रयास कर रही है।

महिला पर किया था वशीकरण

इलाके में फैली है दहशत

तमंचा रखने पर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। महावन पुलिस ने अभियुक्त कासिम निवासी गांव बिसावली थाना इगलास अलीगढ़ को महावन बल्देव रोड बरेली हाईवे पर राया की ओर जाने वाली सर्विस रोड के समीप से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक तमंचा करातूस बरामद किए हैं।

12वीं में शानदार अंकों से बेटियों ने बढ़ाया जिले का मान

बेटियों ने टॉप कर रचा इतिहास

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में इस बार मथुरा की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। कॉमर्स, आर्ट्स और साइंस तीनों संकायों में छात्राओं ने 98 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए।

हनुमान प्रसाद धनुका विद्यालय, वृंदावन की नित्या गर्ग ने कॉमर्स वर्ग में 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में शीर्ष स्थान हासिल किया। श्रीजी बाबा स्कूल की शिवांगी शर्मा ने आर्ट्स वर्ग में 98.4 प्रतिशत अंक, माउंट हिल अकादमी, अजय नगर की प्रज्ञा बाजपेयी ने कॉमर्स वर्ग में 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। बल्देव पब्लिक स्कूल की सुहानी ने साइंस वर्ग में 98.2 प्रतिशत अंक हासिल किए, डीपीएस रिफाइनरी नगर की अक्षिता गोयल ने कॉमर्स वर्ग में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए

टोपर्स के अलावा रोमैक्स इंटरनेशनल स्कूल के विज्ञान वर्ग के छात्र अर्नव भारद्वाज ने 96 प्रतिशत, वाणिज्य वर्ग की साहित्य शर्मा ने 93 प्रतिशत, विज्ञान वर्ग के हर्षित गुप्ता ने 91 प्रतिशत मिषिका गर्ग ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इशिका पाठक (कला वर्ग), आलोक उपाध्याय (विज्ञान वर्ग) और हर्षुल गुप्ता ने 88 प्रतिशत अंक हासिल किए। सौरभ सिंह ने 87 प्रतिशत, वेदांश शुक्ला ने 86 प्रतिशत, जबकि लक्ष्य शर्मा (वाणिज्य वर्ग) और मान्य सरीन ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कोमल सिंह ने विज्ञान वर्ग में 84 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अन्य विद्यार्थियों ने भी 75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. प्रिया चौधरी, चेयरमैन एसपी सिंह और निदेशक कृष्णा चौधरी ने विद्यार्थियों के अनुशासन और मेहनत से प्राप्त सफलता पर सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

वहीं राजीव इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों महक अग्रवाल ने कला संकाय में 97% अंक प्राप्त कर स्कूल टॉप किया, प्रथम गर्ग ने 94.6 प्रतिशत, हर्षिता सिंह ने 91.4 प्रतिशत, वाणिज्य संकाय में प्रेमकृष्ण शर्मा 96.8 प्रतिशत, पर्व बंसल ने 96.6 प्रतिशत, प्रेशा ने 96 प्रतिशत, कर्षित अग्रवाल ने 94.8 प्रतिशत, रुद्राक्षी ने 93.4 प्रतिशत, रविशी ने 93 प्रतिशत अंक हासिल किए।

छात्र–छात्राओं की विषयवार सफलता की बात करें तो पर्व बंसल ने अकाउंटेंसी, प्रेशा ने टाइपोग्राफी, वैष्णवी, रुद्राक्षी, उन्नति सोनी एवं आदित्य शर्मा ने योगा में शत–प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय का मान बढ़ाया। ओवरऑल सफलता की बात करें तो विद्यालय के 54 छात्र–छात्राओं ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। वैष्णवी अग्रवाल 95.8, रिदवी खंडेलवाल 95.6, वंशी अग्रवाल एवं प्रांशी गोविल 95, आदि गुप्ता 94.4, पार्थ अग्रवाल 93.6, अंशिका सैनी 92.8, दिव्य गर्ग 92.6, युविका अग्रवाल 92.4, हर्षिता सिंह 91.4, हार्दिक शर्मा 91.2, शिवांश अग्रवाल 91, अभराज अग्रवाल एवं शुभांग मित्तल 90.8, आर्यन बंसल, आध्या सिंह, अनंत गोयल, राहिनी अग्रवाल एवं सानवी सोलंकी 90.6, न्यासा अग्रवाल 90.2, सिद्धि अग्रवाल ने 90 फीसद अंक हासिल कर अपनी मेधा का परिचय दिया।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल और रोमेक्स के छात्रों ने लहराया परचम

तुहीना वर्धन 89.4, परीक्षित कुमार, दीपिका अग्रवाल एवं मुदित कृष्णा जींद 89.2, नेहा 88.8, भव्य बिंदल एवं वाश्वी अग्रवाल 88.6, नीथिक चाहर 88.4, उन्नति जिंदल 88.2, अक्षरा अग्रवाल 88, प्रिंसी यादव एवं सोमेंद्र प्रताप 87.8, शुभी खंडेलवाल 87.6, इशिका जैन 87.2, यशिका अग्रवाल 87, ग्रंथ अग्रवाल एवं गौरी 86.8, दक्ष चौहान एवं रिद्धिमा शर्मा 86.6 एवं वैष्णवी अग्रवाल ने 86, प्रणिका गोस्वामी एवं सौरभ कुमार 85.4, युक्ति सिंघल एवं माधव राज शर्मा 85.2 एवं पार्थ अग्रवाल ने 85 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा दिखाई। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता व गुरुजनों को दिया है।

स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। श्री अग्रवाल ने कहा कि यह सफलता छात्र–छात्राओं की लगन और मेहनत का सुफल है। श्री अग्रवाल ने कहा कि इस सफलता में शिक्षकों तथा अभिभावकों का भी अहम योगदान है।

सीबीएसई बोर्ड के होनहार विद्यार्थी

कर्षित अग्रवाल	पर्व बंसल	महक अग्रवाल	प्रेम कृष्ण शर्मा	प्रेषा अग्रवाल
98.8%	96.6.8%	97%	96.8%	96%
राजीव इंटरनेशनल स्कूल	राजीव इंटरनेशनल स्कूल	राजीव इंटरनेशनल स्कूल	राजीव इंटरनेशनल स्कूल	राजीव इंटरनेशनल स्कूल

रिध्वी खंडेलवाल	वैष्णवी अग्रवाल	वंशी अग्रवाल	प्रांशी गोविल	प्रथम गर्ग
95.6%	95.8%	95%	95%	94.6%
राजीव इंटरनेशनल स्कूल	राजीव इंटरनेशनल स्कूल	राजीव इंटरनेशनल स्कूल	राजीव इंटरनेशनल स्कूल	राजीव इंटरनेशनल स्कूल

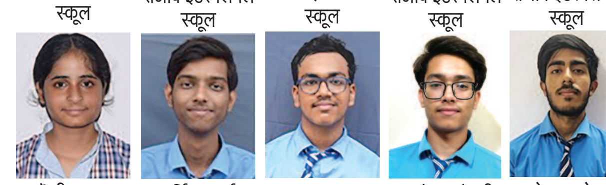

नैंसी यादव	हर्षित शर्मा	सक्षम बंसल	आलेख चौधरी	परेश अरोड़ा
95.4%	94%	93%	91.6%	90.8%
सेंट पॉल्स स्कूल	सेंट पॉल्स स्कूल	सेंट पॉल्स स्कूल	सेंट पॉल्स स्कूल	सेंट पॉल्स स्कूल

पीहू अग्रवाल	हिमांशी चौधरी	लविका चौधरी	स्वाति सिंह	शुभांगी राय
96%	95%	95%	94.4%	94%
रतन लाल स्कूल	रतन लाल स्कूल	रतन लाल स्कूल	रतन लाल स्कूल	रतन लाल स्कूल

गौरी शर्मा	आर्ना मंगला	अभिषेक झा	भूमिक सिंघल	मयंक रुहेला
90%	90%	88%	88%	88%
एलीट स्कूल	एलीट स्कूल	एलीट स्कूल	एलीट स्कूल	एलीट स्कूल

अर्नव भारद्वाज	साहित्य शर्मा	हर्षुल गुप्ता	मिशिका गर्ग	आलोक उपाध्याय
96%	93%	88%	89%	88%
रोमैक्स स्कूल	रोमैक्स स्कूल	रोमैक्स स्कूल	रोमैक्स स्कूल	रोमैक्स स्कूल

दीपक अग्रवाल	अंजू सिंह	साधना	सोनम	उमंग गोयल
94%	92%	83.4%	83%	84%
जेएसबी स्कूल	जेएसबी स्कूल	जेएसबी स्कूल	जेएसबी स्कूल	एलीट स्कूल

श्रीया वार्ष्णेय	अदिति उपाध्याय	अवनी उपाध्याय	हीर भाटिया	रिदिम अग्रवाल
97.8%	96.6%	96.6%	95.6%	95.4%
कान्हा माखन स्कूल	कान्हा माखन स्कूल	कान्हा माखन स्कूल	कान्हा माखन स्कूल	कान्हा माखन स्कूल

जल निकासी को जलकल महाप्रबंधक से मिले नागरिक

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को गुरु नानक नगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश चंद खंडेलवाल के नेतृत्व में कॉलोनी के प्रतिनिधिमंडल ने मथुरा–वृंदावन नगर निगम के महाप्रबंधक जलकल मोहम्मद अनवर ख्वाजा से मुलाकात की। कॉलोनी में पिछले कई दशकों से बनी जलभराव की गंभीर समस्या से अवगत कराते हुए ज्ञापन दिया। मानसून के दौरान कॉलोनी से वर्षा जल की शीघ्र निकासी के लिए भैंस बहोरा नाले तकविशेष ड्रेनेज लाइन,सम्पवेल निर्माण की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने कॉलोनी औरएवं परिक्रमा मार्ग से होकर प्रस्तावित उस ड्रेनेज पाइप लाइन की तकनीकी जानकारी भी मांगी, जिसके माध्यम से नए बस स्टैंड क्षेत्र का वर्षा जल भैंस बहोरा नाले में छोड़े जाने की योजना है। आरडब्ल्यूए ने इस प्रस्ताव पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि गुरु नानक नगर एक आवासीय क्षेत्र है, जो पहले से ही वर्षों से गंभीर जलभराव की समस्या झेल रहा है। महाप्रबंधक जलकल ने प्रस्ताव को संज्ञान में लेते हुए सर्वे करवाने की बात कही और जुलाई तक काम पूरा करवाने की बात कही। प्रतिनिधिमंडल में अजय कुमार शर्मा, राजेश अग्रवाल, अमर नाथ गोयल, जुगल श्रीवास्तव, जयकेशव मिश्रा, हरपाल भाटिया, आनंद चतुर्वेदी मौजूद रहे।

गुरु नानक नगर के नागरिक कर रहे हैं जलभराव से मुक्ति की मांग

त्रिकालदर्शी दिव्य दरबार में उमड़े श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। शहर स्थित परिणय गार्डन में मध्य प्रदेश के गुरु शरण पंडोखर सरकार का दो दिवसीय भव्य त्रिकालदर्शी दिव्य दरबार आयोजित हुआ। मथुरा के अलावा आसपास के जिले से श्रद्धालु अलौकिक दरवार में सम्मलित हुए। महाराज द्वारा भक्तों के पर्चे बनाये गए, तो श्रद्धालु आश्चर्यचकित हो गए। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक विहिप के ब्रज प्रांत अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल थे, जबकि दो दिवसीय दरबार में ब्रज के कई संत– कथावाचक भी सम्मलित हुए। इनमें रसिया बाबा, संजीव कृष्ण ठाकुरजी, सुरेश शास्त्री, डॉ. अभिषेक कृष्ण, अयोध्या से दशरथ महल के श्री महंत बृजमोहन दास रासाचार्य, राम बल्लभ, शशिकांत भंडारी सहित लोग उपस्थित रहे।

गुरु शरण पंडोखर सरकार का का स्वागत करते विहिप नेता कन्हैया लाल अग्रवाल।

हत्या के प्रयास व बलवे में तीन आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय मथुरा। राया पुलिस ने हत्या का प्रयास करने और बलवा करने के मामले में वांछित चल रहे तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं।

राया पुलिस ने हत्या का प्रयास और बलवा करने के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्तों को बरेली एक्सप्रेस वे के सर्विस रोड सारस चौराहे से थोड़ा आगे से वांछित अभियुक्त प्रशांत निवासी गांव पीलुआ थाना राया, मनीष उर्फ विराट निवासी गांव जसौली थाना मांट व चिराग निवासी गांव सारस थाना राया को गिरफ्तार किया। पुलिस को इनके कब्जे से तीन तमंचा और कारतूस भी बरामद हुए हैं।

मथुरा– वृंदावन में खंडेलवाल समाज करेगा अपने समाज की गणना

यूनिक समय, मथुरा। खंडेलवाज समाज मथुरा–वृंदावन में रहने वाले अपने सजातीय बंधुओं की घर–घर जाकर गणना का काम करेगा। गणना के दौरान अविवाहित युवक– युवतियों की भी जानकारी जुटाई जाएगी।

नगर स्थित स्थानीय धर्मशाला में आयोजित बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया। बैठक में समाज के युवाओं की दशा और दिशा पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि समाज के युवाओं की शादियों में हो रही देरी चिंता की बात है। शादियों में हो रही देरी पर बैठक में निर्णय हुआ कि सबसे पहले समाज मथुरा–वृंदावन नगर निगम में जितने भी अपने समाज बंधु हैं, उनकी जनगणना का कार्य घर–घर जाकर किया जाएगा। गणना के दौरान यह पता लगाने का भी प्रयास किया जाएगा कि कि घर में कितने युवक और युवतियां अविवाहित हैं। इसके बाद ऐसे युवक–युवतियों को एक मंच पर लाया जाएगा।

पुल से यमुना में कूदे व्यक्ति का शव मिला

यूनिक समय, मथुरा। यमुना पुल से कल प्रातः यमुना में कूद कर आत्महत्या करने वाले व्यक्ति का शव पुलिस ने यमुना से बरामद कर लिया है। मरने वाले की शिनाख्त नही हुई है। पुलिस शिनाख्त कराने के प्रयास कर रही है।

जीएलए विश्वविद्यालय के मैकेनिकल के चार छात्रों का इस्जैक में चयन

यूनिक समय, मथुरा। तकनीकी शिक्षा और उत्कृष्ट प्लेसमेंट के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयां छू रहे जीएलए विश्वविद्यालय के छात्रों को एक बार फिर बेहतर पैकेज पर रोजगार मिला है। विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित हैवी इंजीनियरिंग एवं मैन्युफैक्चरिंग कंपनी इस्जैक के कैंपस प्लेसमेंट में शानदार सफलता हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है।

हाल ही में आयोजित कैंपस भर्ती प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के कई प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया। कठिन चयन प्रक्रिया, तकनीकी मूल्यांकन, एप्टीट्यूड टेस्ट और इंटरव्यू के विभिन्न चरणों को सफलतापूर्वक पार करते हुए सुधीर कुमार, यश गोस्वामी, रंजन बागची और अनंत तिवारी का चयन 6.5 लाख रुपये वार्षिक पैकेज

पर हुआ। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है।

चयनित विद्यार्थियों ने बताया कि विश्वविद्यालय में उन्हें केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि आधुनिक प्रयोगशालाओं, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग, तकनीकी वर्कशॉप्स और इंडस्ट्री विजिट्स के माध्यम से वास्तविक औद्योगिक वातावरण से भी परिचित कराया गया। इसी व्यावहारिक प्रशिक्षण का परिणाम रहा कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान वे पूरे आत्मविश्वास के साथ कंपनी अधिकारियों के प्रश्नों का उत्तर दे सके। कंपनी अधिकारियों ने भी छात्रों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में तकनीकी समझ, समस्या समाधान क्षमता और कम्युनिकेशन स्किल्स का बेहतरीन समन्वय देखने को मिला। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने इंटरव्यू के प्रत्येक

जीएलए बीटेक मैकेनिकल के छात्रों को इस्जैक कंपनी में मिला 6.5 लाख पैकेज पर चयन

चरण में आत्मविश्वास और पेशेवर दक्षता का परिचय दिया, जो यह साबित करता है कि विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण और उद्योग–केंद्रित शिक्षा प्रदान की जा रही है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. पियूष सिंघल ने कहा कि विभाग लगातार छात्रों को इंडस्ट्री रेडी बनाने के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग के विद्यार्थी पूर्व में भी यूनो मिंडा, जेएसडब्ल्यू, स्पार्क मिंडा, एवीएल और केईआई इंडस्ट्रीज जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित हो चुके हैं। यह निरंतर सफलता विश्वविद्यालय की मजबूत शैक्षणिक व्यवस्था और प्रशिक्षण प्रणाली का परिणाम है।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट एडवाइजर विकास शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय का प्रयास है कि प्रत्येक विद्यार्थी को बेहतर करियर अवसर उपलब्ध हो सकें। इसके लिए देश की अग्रणी कंपनियों से निरंतर संवाद स्थापित किया जाता है और विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल, व्यक्तित्व विकास तथा इंटरव्यू की विशेष तैयारी कराई जाती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी। आज जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा केवल शिक्षा का केंद्र नहीं बल्कि उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कुशल इंजीनियर्स तैयार करने वाला प्रमुख संस्थान बन चुका है। यहां से निकलने वाले विद्यार्थी देश के औद्योगिक विकास और तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

क्लाइमेट पे चर्चा" पहल की शुरुआत

अब विद्यार्थी संभालेंगे शहर की स्वच्छता की कमान

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा–वृन्दावन एवं प्रोजेक्ट मथुरा ने बुधवार को भूतेश्वर स्थित नगर निगम के नए सदन में "क्लाइमेट पे चर्चा" पहल की शुरुआत की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल जागरूकता एवं पोस्टर गतिविधियों तक सीमित न रखते हुए, उन्हें शहर के वास्तविक पर्यावरणीय मुद्दों से जोड़ना तथा ऐसे कार्यों में सहभागिता सुनिश्चित करना रहा, जिनसे धरातल पर सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे।

नगर आयुक्त जगप्रवेश ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया। कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी अपने घर, गली एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने का संकल्प लें और कचरा निर्धारित स्थान एवं नगर निगम की कचरा गाड़ियों में ही डालें तो मथुरा–वृन्दावन को स्वच्छ एवं सुंदर शहर बनाया जा सकता है।

नगर निगम के नए सदन में "क्लाइमेट पे चर्चा" के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी कचरा न जलाने, नालियों एवं खाली स्थानों पर कचरा न फेंकने तथा स्वच्छता नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से सुझाव भी साझा किए और कहा कि विद्यालयों के ईको क्लब समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की बड़ी शक्ति बन सकते हैं। कार्यक्रम में कान्हा माखन मेन ब्रांच, कान्हा माखन मिलेनियम, आर्मी पब्लिक स्कूल, ज्ञान दीप, रमणलाल शोरावाल एवं पुलिस मॉडर्न स्कूल के ईको क्लब एवं स्वयं सारथी क्लब के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत प्रश्न "आप कचरा कहां डालते हैं?" से हुई। विद्यार्थियों को बताया गया कि नालियों, सड़कों एवं खाली प्लॉटों में कचरा डालने से शहर गंदा होता है तथा उसे हटाने में टैक्स पेयर्स की धनराशि खर्च होती है। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी विद्यालयों के ईको क्लबों को ऐसे कार्य दिए गए हैं, जिनसे वास्तविक

स्वच्छता नगर निगम के साथ प्रत्येक नागरिक का दायित्व

स्कूलों के ईको क्लब अब करेंगे वास्तविक प्रभाव वाले कार्य

प्रभाव पड़े। इसके तहत विद्यार्थी अपने क्षेत्रों में कचरा गाड़ी कोऑर्डिनेशन, वेस्ट बर्निंग रोकथाम एवं नागरिक सहभागिता पर कार्य करेंगे।

कार्यक्रम में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार के साथ दीपक गोयल, राजेन्द्र अग्रवाल, मुकेश सिंघल एवं विपिन सिंघल उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रोजेक्ट मथुरा के स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रोजेक्ट मथुरा के संस्थापक सीए विपुल अग्रवाल ने बताया कि अगली बैठक चार जुलाई को होगी, जिसमें सभी विद्यालय अपने कार्यों की प्रगति प्रस्तुत करेंगे। बेहतर कार्य करने वाले विद्यालयों को सम्मानित भी किया जाएगा।

गुरु को छोड़कर इधर–उधर भटकने वाले दुर्भाग्यशाली

वात्सल्य ग्राम में आयोजित भक्ति वेदांत योग साधना प्रशिक्षण शिविर में सात प्रदेशों से आई बहनों के साथ दीदी मां साध्वी ऋतंभरा।

प्रमुख संवाददाता

वात्सल्य ग्राम में भक्ति वेदांत योग साधना प्रशिक्षण शिविर

यूनिक समय, वृंदावन। वात्सल्य ग्राम में परमशक्ति पीठ के बैनर तले आयोजित भक्ति योग वेदांत साधना प्रशिक्षण शिविर में वात्सल्य गंगा की सात प्रदेशों की 67 बहनों ने भाग लिया। पदम विभूषण से सम्मानित दीदी मां साध्वी ऋतम्भरा ने कहा कि हमारा दृष्टिकोण ही यह तय करता है कि कौन कैसा है। हमें दूसरों में अवगुण नहीं गुण देखना चाहिए। जब हम दूसरों में दोष देखते हैं तो हमें दर्द होता है और जब हम दूसरों के गुण देखे हैं तो प्रसन्नता मिलती है। सुख–दुःख तो आते ही रहते हैं, हमें जो भी मिले उसे हम प्रसन्नता से साथ ग्रहण करना चाहिए। कहा कि प्रारब्ध तो सभी को भोगना पड़ता है, जो अपने समर्थ गुरु को छोड़कर इधर–उधर भटकता है वह महा दुर्भाग्यशाली होता है। ईश्वर को भय से नहीं प्रेम से पुकारा जाता है। हमें अपने बच्चों में ज्ञान की शिक्षा के साथ–साथ व्यवहारिक एवं नैतिक शिक्षा का भी ज्ञान कराना चाहिए। स्वांमी सूर्यानंद ने कहा कि हिंदू संस्कृति एक जीवन पद्धति है, हिंदू संस्कृति को किसी एक उपासना पद्धति से नहीं बांधा जा सकता। मुख्य वक्ता हरिशंकर शर्मा ने सामाजिक समरसता पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हमें ऊँच–नीच छुआछूत के भाव को छेड़ना होगा तभी समाज में एक रूपता का भाव जाग्रत होगा। वर्ग में आसाम, बंगाल, हिमांचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, बिहार एवं नेपाल से 67 बेटियों ने भाग लिया। वर्ग में सनातन संस्कृति का प्रचार प्रसार पूरे देश में करना,लोगों में धर्म के प्रति जागृति आये तथा बच्चों में भारतीय संस्कार और संस्कृति को समझने का भाव जाग्रत हो ऐसा प्रचार–प्रसार देशभर में करने के लिए बहनों को प्रशिक्षित किया जाता है। इस तरह का यह दूसरा शिविर था। इस अवसर पर स्वामी सत्यशील, स्वामी सत्यश्रवा, स्वामी सत्यालोकानंद आदि ने भाग लिया। संचालन डॉ. उमाशंकर राही ने किया।

राजीव एकेडमी में उत्साह–उमंग के बीच जूनियर्स ने दी सीनियर्स को विदाई

एमबीए के छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बांधा समां

फेयरवेल पार्टी में रंग जमाते एमबीए के छात्र–छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट में जूनियर्स ने अपने एमबीए सीनियर्स साथियों के सम्मान में फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया। फेयरवेल पार्टी उत्साह और उमंग से सराबोर रही। फेयरवेल पार्टी में एमबीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गीत, संगीत, नृत्य और मनोरंजक प्रस्तुतियों से पूरा परिसर देर शाम तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। फेयरवेल पार्टी का शुभारम्भ एमबीए विभागाध्यक्ष डॉ. विकास जैन ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। फेयरवेल पार्टी में छात्र–छात्राओं ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियां सभी का मन मोहा। लगभग तीन घंटे तक चले समारोह में जूनियर विद्यार्थियों ने भावुक भाषणों, गीतों और नृत्य के माध्यम से अपने सीनियर्स के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त की वहीं विदा ले रहे एमबीए छात्र–छात्राओं ने भी संस्थान में बिताए अपने यादगार पलों और अनुभवों को साझा करते हुए जूनियर्स को सफलता के मंत्र दिए। सीनियर छात्र-छात्राओं ने संस्थान में मिले पारिवारिक माहौल, शिक्षकों के सहयोग तथा मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यहां प्राप्त शिक्षा और अनुभव उनके भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के अंत में जूनियर छात्र–छात्राओं द्वारा सीनियर्स को स्मृति चिह्न भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विदा ले रहे छात्र–छात्राएं संस्थान के ब्रांड एम्बेसडर हैं और उन्हें अपने जीवन में लगन, मेहनत तथा अनुशासन के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने समय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में समय का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी है। डॉ. सक्सेना ने कहा कि फेयरवेल जैसे आयोजन सीनियर और जूनियर विद्यार्थियों के बीच आत्मीयता और जुड़ाव को मजबूत बनाते हैं तथा संस्थान में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करते हैं। आरके एज्युकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल तथा प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने छात्र–छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार और व्यक्तित्व विकास भी जीवन में सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और संस्थान का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

आई लव यू कहने पर भड़की मंगलामुखी, युवक को पीटा

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के एक कैफे में खाना खाने के लिए आई एक मंगलामुखी से छेड़छाड़ करने वाले युवक को आई लव यू कहना मंहगा पड़ गया। मंगलामुखी ने युवक की पिटाई कर दी। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्रित हो गए। युवक मौका पाकर वहां से भाग निकला। किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

मंगलवार की देर शाम वृदावन रोड स्थित राऊडी कैफे पर एक मंगलामुखी खाना खाने के लिए गई थी। वहां पहले से बैठे युवकों में से एक युवक ने मंगलामुखी पर अश्लील वाक्यों का प्रयोग किया। काफी देर तक मंगलामुखी युवक के भद्दे वाक्यों को सुनकर चुप रही, लेकिन जब युवक ने आईलवयू कहा तो उसके सब्र का बांध टूट गया। मंगलामुखी ने युवक के बाल पकड़ कर उसके गालों पर थप्पड़ों की बौझार कर दी। इस घटना को देख कर वहां काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। लोगों को जब इस बात का पता लगा कि युवक ने मंगलामुखी के साथ अभद्रता की तो लोग युवक को ही भला बुरा कहने लगे। बताया गया इस बीच युवक मंगलामुखी से छूट कर भाग गया। लोगों का कहना है कि छेड़छाड़ करने वाला युवक नशे में लग रहा था।

तेज धूप में लापरवाही बढ़ा सकती है हीटवेव का खतरा

छोटी गलतियां बढ़ा सकती हैं हीट स्ट्रोक का जोखिम

यूनिक समय, मथुरा। तेज गर्मी और चिलचिलाती धूप में लापरवाही करना सेहत पर भारी पड़ सकता है। दोपहर के समय बाहर निकलते ही शरीर पर गर्म हवा का असर तेजी से होने लगता है, जिससे लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। कई बार लोग शुरुआती संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं और स्थिति गंभीर हो जाती है।

डॉक्टरों के अनुसार, लू यानी हीट वेव के दौरान शरीर का तापमान नियंत्रण बिगड़ जाता है और यह स्थिति जानलेवा भी बन सकती है। इसे मेडिकल भाषा में हीट स्ट्रोक कहा जाता है। डॉ. गौरव भारद्वाज (डायरेक्टर, आकाश सीआईएमएस) के अनुसार, लू तब लगती है जब शरीर का थर्मोरेगुलेटरी सिस्टम काम करना बंद कर देता है। पसीने के जरिए शरीर का तापमान नियंत्रित नहीं हो पाता और कोर बॉडी टेम्परेचर खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इससे चक्कर आना, सिर भारी लगना, कमजोरी, उल्टी और बेहोशी जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। गंभीर स्थिति में दिल, किडनी और दिमाग पर असर पड़ सकता है। लंबे समय तक तेज धूप में रहना, खाली पेट बाहर निकलना, शरीर में पानी की कमी, टाइट या भारी कपड़े पहनना और भीड़भाड़ वाले गर्म स्थानों में रहना लू का खतरा बढ़ा देते हैं। इसके अलावा ज्यादा शराब या कैफीन का सेवन भी शरीर को डिहाइड्रेट कर देता है। लंबी ड्राइव, कमजोर इम्यूनिटी, अचानक ठंडे से गर्म माहौल में जाना और कुछ दवाइयों का

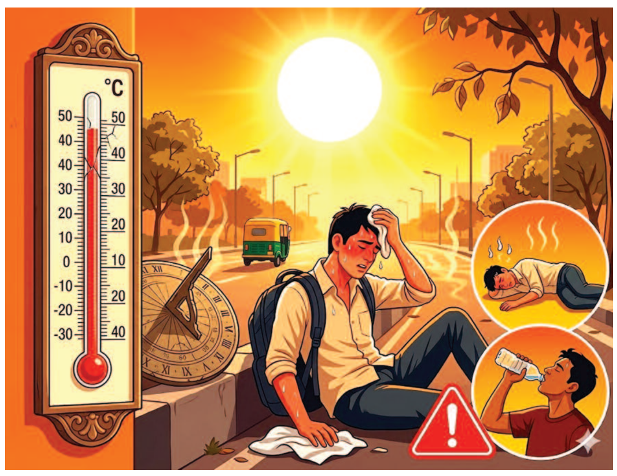

डॉक्टर की सलाह मानें गर्मी में रहें सुरक्षित

सेवन भी जोखिम बढ़ाता है। तेज सिरदर्द, अत्यधिक पसीना या पसीना बंद हो जाना, चक्कर आना, कमजोरी, उलझन, त्वचा का गर्म और लाल होना, मांसपेशियों में ऐंठन और बेहोशी इसके प्रमुख संकेत हैं।गर्मी में हल्के और ढीले कपड़े पहनें, पर्याप्त पानी पिएं, बाहर निकलने से पहले हल्का भोजन करें और धूप में लंबे समय तक रहने से बचें।

छाता या टोपी का उपयोग करें और बीच–बीच में छांव में आराम करें। लू लगने पर तुरंत बर्फ वाला पानी न पिएं, धूप में न रहें, बिना डॉक्टर की सलाह दवा न लें और स्थिति को नजरअंदाज न करें। सही सावधानी और समय पर पहचान से लू जैसी गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है और गर्मी के मौसम में स्वस्थ रहा जा सकता है।

सूजी आलू का चटपटा नाश्ता 10 मिनट में बनाएं स्वादिष्ट रोल

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप सुबह या शाम के नाश्ते में कुछ चटपटा और जल्दी बनने वाला विकल्प ढूंढ रहे हैं तो सूजी और आलू से बना यह नाश्ता आपके लिए परफेक्ट है। यह स्वादिष्ट रोल सिर्फ 10 मिनट में तैयार हो जाता है और बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आता है।

इस रेसिपी में सबसे पहले उबले हुए आलू को कद्दूकस करके उसमें हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर, गरम मसाला, नमक और नींबू रस मिलाया जाता है। इससे आलू का मसालेदार मिश्रण तैयार हो जाता है।

इसके बाद पैन में तेल गर्म कर जीरा, हरी मिर्च, अदरक, लहसुन और प्याज डालकर भूनें और इसमें तैयार आलू का मिश्रण मिला दें। कुछ मिनट पकाने के बाद इसे ठंडा होने दें।

दूसरी ओर सूजी को हल्का भूनकर पानी और नमक डालकर पकाएं ताकि वह फूलकर गाढ़ा मिश्रण बन जाए। इसे ठंडा करके आटे की तरह गूंध लें।

अब सूजी की लोई बनाकर उसमें आलू की स्टफिंग भरें और रोल या कटलेट का आकार दें। फिर इसे गेहूं के आटे और मसालों की पतली स्लरी में डुबोकर तेल में सुनहरा और क्रिस्पी होने तक तल लें।

गरमा–गरम सूजी आलू रोल को चटनी या सॉस के साथ परोसें और स्वाद का आनंद लें।

रोज एक चम्मच घी खाने से सेहत को मिलते हैं कई फायदे

यूनिक समय, मथुरा। घी को आयुर्वेद में सेहत के लिए बेहद लाभकारी माना गया है। अगर इसे सीमित मात्रा में रोजाना डाइट में शामिल किया जाए तो यह शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचा सकता है। हालांकि अधिक मात्रा में सेवन नुकसानदायक भी हो सकता है, इसलिए संतुलन जरूरी है।

विशेषज्ञों के अनुसार घी पाचन तंत्र को मजबूत करने में मदद करता है और कब्ज, एसिडिटी तथा ब्लोटिंग जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है। यह आंतों की सेहत सुधारने में भी सहायक माना जाता है। घी का सेवन इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद कर सकता है, जिससे शरीर बीमारियों से बेहतर तरीके से लड़ पाता है। इसके अलावा यह ऊर्जा बढ़ाने और थकान कम करने में भी उपयोगी है। घी मस्तिष्क स्वास्थ्य के

लिए भी फायदेमंद माना जाता है और याददाश्त सुधारने में मदद कर सकता है। साथ ही यह हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में सहायक होता है।

आंखों की सेहत के लिए भी घी उपयोगी है। इसमें मौजूद पोषक तत्व दृष्टि सुधारने में मदद कर सकते हैं। रोज सुबह एक चम्मच घी का सेवन गर्म पानी या दूध के साथ किया जा सकता है।

बिना छीले खीरा खाने से मिलते हैं सबसे ज्यादा पोषक तत्व

यूनिक समय, मथुरा। गर्मियों में खीरा सबसे लोकप्रिय और हेल्दी फूड माना जाता है, जो शरीर को ठंडक देने के साथ हाइड्रेशन बनाए रखता है। लेकिन अधिकतर लोग इसे गलत तरीके से खाते हैं, जिससे इसके पूरे पोषक तत्व शरीर को नहीं मिल पाते।

विशेषज्ञों के अनुसार, 90% लोग खीरे का छिलका उतारकर खाते हैं, जबकि यही सबसे बड़ी गलती है। खीरे के छिलके में फाइबर, विटामिन– के, सिलिका और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जब छिलका हटा दिया जाता है, तो इसका बड़ा पोषण हिस्सा खत्म हो जाता है। डाइटिशियन श्वेता जे पंचाल के अनुसार, खीरे को साबुत यानी बिना छीले खाना ज्यादा फायदेमंद होता है। इससे पाचन बेहतर होता है, कब्ज की समस्या कम होती

है और शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलने में मदद मिलती है।

हालांकि, यदि खीरे पर मोम की परत या गंदगी हो तो उसे अच्छी तरह धोकर ही सेवन करना चाहिए। बाजार में मिलने वाले खीरे को पहले ब्रश और गर्म पानी से साफ करना जरूरी है।

खीरे में काला नमक या पिंक सॉल्ट मिलाकर खाने से शरीर का इलेक्ट्रोलाइट संतुलन भी बेहतर रहता है और गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचाव होता है।

वृद्ध बोझ नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं

बुढ़ापा, घर में शांति और प्रेम का सुनहरा अवसर

यूनिक समय, मथुरा। स्वामी चिदानंद सरस्वती की किताब "ग्रेस इन द होम, विसडम फॉर ऑल ऐज" में बताया गया है कि बुजुर्गों को अक्सर लगता है कि उम्र बढ़ने के साथ उनका समय और भूमिका समाप्त हो गई है। लेकिन वास्तविकता यह है कि बुढ़ापा घर में शांति, प्रेम और संतुलन लाने का सबसे सुंदर अवसर हो सकता है।

जब शरीर कमजोर होता है तब अनुभव और आत्मिक समझ और अधिक मजबूत हो जाती है। बुजुर्गों के पास जीवन भर का अनुभव होता है, जो बच्चों और अगली पीढ़ी के लिए बहुत मूल्यवान है। उन्हें केवल भौतिक चीजें नहीं, बल्कि जीवन के अनुभव और संस्कार देना चाहिए,

जिससे उनका व्यक्तित्व और मजबूत हो सके।

घर सिर्फ रहने की जगह नहीं, बल्कि एक साधना स्थल भी हो सकता है। 60 वर्ष की उम्र के बाद जब बच्चे अपने जीवन में व्यस्त हो जाते हैं, तब घर में तनाव या शिकायत की जगह प्रेम और कृतज्ञता का वातावरण बनाना चाहिए। इससे परिवार में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। लेख में यह भी बताया गया है कि ईश्वर की कृपा

अनुभव ही बुजुर्गों की सबसे बड़ी संपत्ति, जो पीढ़ियों को दिशा देता है

बाहर से नहीं आती, बल्कि वह हमारे भीतर ही मौजूद होती है। हमें केवल उसे पहचानने और जागृत करने की जरूरत होती है। यह समझ जीवन को अधिक शांत और संतुलित बनाती है।

हर रात सोने से पहले तीन ऐसी बातों को याद करना चाहिए, जिनके लिए हम ईश्वर के आभारी हैं। यह सरल अभ्यास मन को सकारात्मक बनाता है, अकेलेपन और उदासी को कम करता है और मानसिक शांति बढ़ाता है।

रात में कूलर में डालें ये दो चीजें, सुबह मिलेगी ठंडी हवा

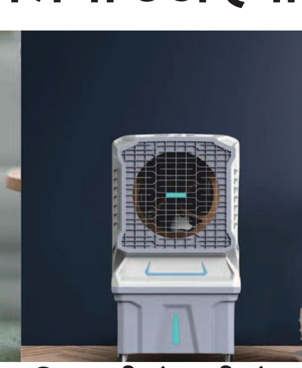

यूनिक समय, मथुरा। गर्मियों में तेज तापमान के कारण कूलर कई बार सही से ठंडी हवा नहीं दे पाता, जिससे रात में नींद भी प्रभावित होती है। ऐसे में कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर कूलर की कूलिंग बढ़ाई जा सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, कूलर के टैंक में साफ पानी भरकर उसमें एक छोटा फिटकरी का टुकड़ा डालने से पानी की अशुद्धियां और बदबू दूर हो जाती है, जिससे हवा ज्यादा फ्रेश महसूस होती है।

इसके बाद बर्फीली हवा पाने के लिए पानी में नमक मिलाकर प्लास्टिक की बोतलों में भरकर फ्रिज में जमा दें। जब पानी बर्फ बन जाए, तो इन बोतलों को कूलर के पानी में डाल दें। इससे

फिटकरी से पानी होगा साफ और ताजा

कूलर की सफाई से बदबू होगी दूर

खिड़की और वेंटिलेशन से मिलेगी बेहतर हवा

लंबे समय तक ठंडी हवा मिलती है।

इसके अलावा कूलर की सही कूलिंग के लिए वेंटिलेशन का ध्यान रखना भी जरूरी है। कूलर को ऐसी जगह रखें जहां खिड़की खुली हो और हवा का फ्लो बना रहे, तभी ठंडी हवा पूरे कमरे में फैलती है।

सुविचार

जिंदगी की कमाई दौलत से नही नापी जाती, अंतिम यात्रा की भीड़ बताती है कमाई कैसी थी...

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी	01:30-11:20 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तरभाद्रपदा	01:17-12:17 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:35 AM	चन्द्रोदय	3:18 AM
सूर्यास्त		6:55 PM	चंद्रास्त	4:24 PM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	03:59-04:47
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		01:55 PM: 03:35 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

वट सावित्री व्रत में बदल रही रिश्तों की परिभाषा

परंपरा, प्रेम और साझेदारी का अनोखा संगम

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय संस्कृति में व्रत और त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भावनाओं, विश्वास और रिश्तों की गहराई का प्रतीक हैं। इन्हीं परंपराओं में वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व है। वट सावित्री व्रत 16 मई शनिवार को रखा जाएगा। यह व्रत ज्येरष्ठ माह की अमावस्या तिथि को सुहागिन महिलाएं पति की लम्बी आयु और सुखद वैवाहिक जीवन के लिए रखती हैं।

ज्येष्ठ मास की तपती दोपहर में सुहागिन महिलाएं बरगद के वृक्ष की पूजा कर अपने पति की लंबी आयु और सुखी दांपत्य जीवन की कामना करती हैं। लेकिन आधुनिक दौर में यह व्रत केवल एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि रिश्तों की बदलती सोच का भी प्रतीक बनता जा रहा है। वट सावित्री व्रत की कथा सावित्री और सत्यवान के अटूट प्रेम पर आधारित है। सावित्री ने अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और दृढ़ संकल्प से यमराज को भी पराजित कर अपने पति के प्राण वापस पाए थे।

यह कथा केवल पति भक्ति की नहीं, बल्कि एक स्त्री की मानसिक शक्ति और आत्मविश्वास की मिसाल भी मानी जाती है। आज की महिलाएं इस व्रत को त्याग के साथ–साथ अपने आत्मबल के उत्सव के रूप में भी देख रही हैं।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

आधुनिक समाज में अब यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या रिश्तों में त्याग केवल महिलाओं की जिम्मेदारी होना चाहिए? आज महिलाएं चाहती हैं कि रिश्तों में बराबरी, सम्मान और भावनात्मक साझेदारी हो। अब "अच्छा पति" केवल आर्थिक जिम्मेदारियां निभाने वाला व्यक्ति नहीं माना जाता, बल्कि वह जो अपनी पत्नी के सपनों, करियर और भावनाओं को भी उतना ही महत्व दे। इसी सोच के कारण अब कई दंपति इस व्रत को पारस्परिक प्रेम और सम्मान के रूप में मनाने लगे हैं। कई पति भी अपनी पत्नी की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए संकल्प लेते हैं, जिससे यह परंपरा आधुनिक रिश्तों के अनुरूप नई पहचान पा रही है। तकनीक और आधुनिक जीवनशैली के बावजूद वट सावित्री व्रत आज भी लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ है। यह पर्व महिलाओं को सामाजिक रूप से जोड़ता है और पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाता है। सामूहिक पूजा और परंपराएं महिलाओं को भावनात्मक सहारा भी देती हैं। साथ ही, अपने जीवनसाथी के मंगल की कामना करने से मन को सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक शांति मिलती है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष राशि : कल का दिन अच्छा गुजरेगा। कोई खुशखबरी मिल सकती है जिससे मन खुश रहेगा। नौकरी में तरक्की की संभावना है।

वृषभ राशि : कल आप काफी बिजी रहेंगे। नौकरी में काम ज्यादा होने की वजह से समय कम मिलेगा। माता–पिता के साथ वक्त बिताएं, उन्हें खुशी होगी। बिजनेस में उतार–चढ़ाव बना रहेगा।

मिथुन राशि: कल का आपका दिन बहुत बढ़िया बीतेगा। बिजनेस करने वालों को थोड़ा सावधान रहना चाहिए। न तो किसी को उधार दें और न ही लें।

कर्क राशि: कल का दिन आपके लिए शुभ है। नौकरी में प्रमोशन या ट्रांसफर के चांस हैं। कोई अच्छी खबर मिल सकती है। छात्र पढ़ाई के लिए विदेश जाने का मन बना सकते हैं।

सिंह राशि: कल का दिन थोड़ा उतार–चढ़ाव वाला है। नौकरी में तनाव हो सकता है, इसलिए काम में लापरवाही न करें।

कन्या राशि: कल का दिन मिला–जुला रहेगा। नौकरी वालों के लिए दिन ठीक है। दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा। बिजनेस में बड़ा मुनाफा हो सकता है जिससे आप खुश रहेंगे।

तुला राशि: कल का दिन अच्छा है। बिजनेस में लाभ होने के योग हैं। छात्रों के लिए आज का दिन थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। नौकरी करने वालों का दिन सामान्य रहेगा।

वृश्चिक राशि: कल का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। ऑफिस में काम ज्यादा होने से आप थकावट महसूस करेंगे। दिन थोड़ा परेशानी भरा हो सकता है। बिजनेस में फायदे की उम्मीद है।

धनु राशि: कल का दिन सामान्य है। बिजनेस में थोड़ा नुकसान हो सकता है। दूसरों से बात करते समय अपनी भाषा पर काबू रखें और झगड़े से बचें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि: कल दिन काफी बढ़िया रहेगा। नौकरी में हालात शानदार रहेंगे। बिजनेस में थोड़ी मुश्किल आ सकती है। अगर आप विदेश से जुड़ा व्यापार करते हैं, तो सावधान रहें वरना घाटा हो सकता है। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक काम की योजना बन सकती है।

कुंभ राशि: कल का दिन थोड़ा उतार–चढ़ाव वाला रहेगा। अपनी वाणी पर संयम रखें। बिजनेस से जुड़े लोगों को अच्छा फायदा होगा। छात्रों को मेहनत करनी होगी, सफलता जरूर मिलेगी।

मीन राशि: कल का दिन मिला–जुला रहेगा। छात्रों के लिए दिन ठीक है, पढ़ाई के लिए बाहर जा सकते हैं। पुराने रूके हुए काम पूरे होंगे। बिजनेस को बढ़ाने के लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे। जो लोग नौकरी ढूंढ रहे हैं, उन्हें अभी थोड़ा और इंतजार करना होगा। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा।

राहु गोचर 2026: राजनीति, करियर और रिश्तों में दिखेंगे बड़े बदलाव

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में राहु को छाया ग्रह माना जाता है, जो अचानक होने वाली घटनाओं, भ्रम, रहस्य और अप्रत्याशित बदलावों का कारक होता है। वर्ष 2026 में राहु का गोचर बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पूरे साल राहु कुंभ राशि में प्रभाव बनाए रखेंगे और 5 दिसंबर 2026 को शनि मकर राशि में प्रवेश करेंगे। ज्योतिषियों के अनुसार यह गोचर देश–दुनिया, राजनीति, तकनीक और सभी राशियों पर गहरा असर डाल सकता है।

राहु का मकर राशि में प्रवेश शासन, प्रशासन और आर्थिक नीतियों में बड़े बदलाव ला सकता है। राजनीति में बड़े फेरबदल और नई रणनीतियों को लेकर हलचल बढ़ सकती है। तकनीकी क्षेत्र, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल सेक्टर में अचानक तेजी देखने को मिल सकती है। हालांकि राहु भ्रम और अस्थिरता भी पैदा करता है, इसलिए कई क्षेत्रों में अनिश्चितता का माहौल बन सकता है।

मेष राशि वालों को करियर में नए अवसर मिल सकते हैं, लेकिन जल्दबाजी में फैसले लेने से बचना होगा। वृषभ राशि के लोगों को विदेश और शिक्षा से जुड़े मामलों में लाभ मिलेगा, हालांकि मानसिक तनाव बढ़ सकता है। मिथुन राशि वालों को नौकरी में स्थिरता मिलेगी, लेकिन आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी होगी। कर्क राशि के लिए लाभ के अवसर बनेंगे, हालांकि रिश्तों में उतार–चढ़ाव रह सकते हैं। कन्या राशि वालों के लिए यह समय आय में वृद्धि और मेहनत का फल देने वाला साबित हो सकता है। तुला राशि वालों को विवाह और परिवार से जुड़ी खुशखबरी मिल सकती है। धनु राशि वालों को धन कमाने के नए अवसर प्राप्त होंगे, लेकिन खर्च भी तेजी से बढ़ सकते हैं। मकर राशि में राहु का प्रवेश सबसे ज्यादा प्रभाव इसी राशि पर डालेगा। करियर, सोच और जीवनशैली में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

वहीं कुंभ राशि वालों को मानसिक दबाव और भ्रम की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि अध्यात्म और आत्मचिंतन की ओर झुकाव बढ़ेगा और रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना भी बनेगी।

राजा शांतनु की दिव्य शक्तियां जानकर रह जाएंगे हैरान

यूनिक समय, मथुरा। महाभारत केवल युद्ध की कहानी नहीं, बल्कि कई रहस्यमयी और शक्तिशाली पात्रों का इतिहास भी है। इन्हीं में से एक थे हस्तिनापुर के प्रतापी राजा शांतनु। राजा शांतनु अपने न्यायप्रिय स्वभाव, तेज और अद्भुत शक्तियों के लिए प्रसिद्ध थे। कहा जाता है कि उनके पास ऐसी दिव्य शक्तियां थीं, जिनके बारे में जानकर आज भी लोग चौंक जाते हैं। उनमें लोगों के रोग दूर करने और वरदान देने की क्षमता थी।

पौराणिक कथा के अनुसार इक्ष्वाकु वंश में महाभिष नाम के राजा थे। एक बार ब्रह्माजी की सभा में सभी देवता उपस्थित थे। तभी तेज हवा के कारण मां गंगा के वस्त्र खिसक गए। सभा में मौजूद सभी देवताओं ने अपनी नजरें झुका लीं, लेकिन महाभिष उन्हें देखते रहे। इससे ब्रह्माजी क्रोधित हो गए और उन्होंने महाभिष को मृत्युलोक में जन्म लेने का श्राप दे दिया। बाद में वही महाभिष राजा प्रतीप के रूप में जन्मे। राजा प्रतीप एक दिन गंगा किनारे तपस्या कर रहे थे, तभी मां गंगा उनके सामने प्रकट हुईं और विवाह की इच्छा जताई। लेकिन राजा प्रतीप ने उन्हें पुत्रवधू के रूप में स्वीकार करने की बात कही। बाद में राजा प्रतीप के पुत्र शांतनु का विवाह मां गंगा से हुआ। विवाह के समय गंगा ने राजा शांतनु के सामने शर्त रखी कि वह उनके किसी भी कार्य में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। गंगा ने जन्म लेते ही अपने सात पुत्रों को नदी में प्रवाहित कर दिया, लेकिन शांतनु मौन रहे। जब आठवें पुत्र को बहाने लगीं तो शांतनु खुद को रोक नहीं पाए और कारण पूछ लिया। तब गंगा ने बताया कि ये सभी आठ वसु थे, जिन्हें श्राप के कारण मनुष्य योनि में जन्म लेना पड़ा था। सात को उन्होंने तुरंत मुक्त कर दिया, जबकि आठवें पुत्र देवव्रत को शांतनु के हवाले कर स्वर्ग लौट गईं। यही देवव्रत आगे चलकर भीष्म पितामह कहलाए। राजा शांतनु के पास दो विशेष दिव्य शक्तियां थीं। पहली शक्ति थी स्पर्श से रोग दूर करने की। मान्यता है कि वे जिस व्यक्ति को हाथ लगाते थे, उसके शारीरिक कष्ट और मानसिक पीड़ा दूर हो जाती थी। इसी कारण उनका नाम "शांतनु" पड़ा, जिसका अर्थ शांति प्रदान करने वाला माना जाता है।

दूसरी शक्ति थी वरदान देने की क्षमता। उन्होंने अपने पुत्र भीष्म को इच्छा मृत्यु का वरदान दिया था। माना जाता है कि ऐसी शक्ति केवल सिद्ध और तपस्वी पुरुषों में ही होती है। यही कारण है कि महाभारत में राजा शांतनु को अत्यंत प्रभावशाली और दिव्य शक्तियों वाला राजा माना गया है।

सम्पादकीय

सोने की चमक ने बिगाड़ा घरों का गणित

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक बाजार की अनिश्चितता के बीच सोना–चांदी एक बार फिर भारतीय परिवारों की धड़कन तेज कर रहे हैं। सरकार ने सोना, चांदी और प्लैटिनम पर आयात शुल्क बढ़ाकर साफ संकेत दे दिया है कि आने वाले दिनों में चमकती धातुएं आम आदमी की पहुंच से और दूर जा सकती हैं। शादी–ब्याह के मौसम में यह फैसला केवल बाजार का मुद्दा नहीं, बल्कि हर उस परिवार की चिंता बन गया है जो वर्षों से बेटी की शादी या भविष्य की सुरक्षा के लिए थोड़ा–थोड़ा सोना जोड़ता आया है।

पवन गौतम
संपादक

सरकार का तर्क आर्थिक दृष्टि से मजबूत दिखाई देता है। भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में शामिल है और पश्चि म एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार दबाव बना रही हैं। ऐसे समय में विदेशी मुद्रा भंडार को बचाना किसी भी सरकार की प्राथमिकता होगी। यदि सोने जैसे गैर–जरूरी आयात कम होते हैं तो विदेशी मुद्रा को तेल, उर्वरक, रक्षा और तकनीक जैसे आवश्यक क्षेत्रों में लगाया जा सकेगा। यही वजह है कि सरकार इसे आर्थिक स्थिरता की दिशा में जरूरी कदम बता रही है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

लेकिन सवाल यह है कि इस फैसले की सबसे बड़ी कीमत कौन चुकाएगा? जवाब साफ है–मध्यम वर्ग और छोटे ज्वैलर्स। बड़े कारोबारी किसी तरह संतुलन बना लेंगे, लेकिन छोटे सर्राफा व्यापारी पहले ही ऊंची कीमतों और घटती मांग से परेशान हैं। अब आयात शुल्क बढ़ने से बाजार में सोना और महंगा होगा, ग्राहक हल्के गहनों की ओर जाएंगे और कारोबार सिकुड़ सकता है। यही कारण है कि ज्वैलर्स खुलकर कह रहे हैं कि "हमारी कमर टूट जाएगी।" एक और बड़ा खतरा तस्करी का भी है। इतिहास गवाह है कि जब भी सोने पर कर अत्यधिक बढ़े हैं, अवैध बाजार मजबूत हुआ है। 1960 के दशक के स्वर्ण नियंत्रण कानूनों का अनुभव आज भी देश भूला नहीं है। यदि कीमतों का अंतर बहुत अधिक बढ़ा तो समानांतर बाजार फिर सक्रिय हो सकता है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान और कानून व्यवस्था की चुनौती दोनों झेलनी पड़ेंगी। हालांकि जिन परिवारों के पास पहले से सोना रखा है, उनके लिए यह समय फायदे का भी हो सकता है। पुराने गहनों और निवेश का मूल्य तेजी से बढ़ सकता है। लेकिन यह चमक तभी सुकून देगी, जब बाजार में स्थिरता लौटे। फिलहाल तो सोने की बढ़ती कीमतें भारतीय रसोई से लेकर सर्राफा बाजार तक हर जगह बेचैनी बढ़ा रही हैं।

नजरिया

पाकिस्तान–ईरान समीकरण : पुराने एहसान, नए खतरे

राम प्रकाश शर्मा

दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की राजनीति में कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जो समय बीतने के बावजूद अपनी अहमियत नहीं खोते। पाकिस्तान और ईरान का संबंध भी उन्हीं में से एक है। हाल के दिनों में यह चर्चा तेज हुई कि पाकिस्तान ने संभावित अमेरिकी दबाव और क्षेत्रीय तनाव के बीच ईरानी विमानों को अपने सैन्य ठिकानों पर सुरक्षित जगह दी। हालांकि पाकिस्तान ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, लेकिन इस बहस ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक बार फिर पुराने रिश्तों और नए सामरिक समीकरणों को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

यह मामला केवल दो देशों के बीच सहयोग या अविश्वास तक सीमित नहीं है। इसके पीछे वह लंबा इतिहास है जिसमें शीत युद्ध, अमेरिका की रणनीति, चीन का उभार, ईरान की पश्चि म विरोधी नीति और पाकिस्तान की बदलती विदेश नीति जैसे कई पहलू जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि इस पूरे घटनाक्रम को केवल अफवाह या कूटनीतिक बयानबाजी मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तान को जिस सबसे बड़े संकट का सामना करना पड़ा था, उसमें ईरान उसके प्रमुख समर्थकों में शामिल था। उस समय ईरान के शाह मोहम्मद रजा पहलवी ने पाकिस्तान को ईंधन, सैन्य उपकरण और अन्य जरूरी संसाधनों की सहायता दी थी। कई रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि पाकिस्तान के कुछ सैन्य विमानों को ईरानी ठिकानों पर अस्थायी सुरक्षा दी गई थी। उस दौर में अमेरिका और चीन दोनों पाकिस्तान को दक्षिण एशिया में अपने महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखते थे और ईरान भी उसी रणनीतिक धुरी का हिस्सा था। शीत युद्ध के समय पाकिस्तान और ईरान दोनों ही सोवियत विरोधी सुरक्षा व्यवस्था के अहम सदस्य थे। अमेरिका नहीं चाहता था कि पाकिस्तान पूरी तरह कमजोर हो जाए, क्योंकि इससे क्षेत्र में सोवियत प्रभाव बढ़ सकता था। इसलिए पर्दे के पीछे पाकिस्तान को सहायता पहुंचाने के लिए कई तरह के प्रयास किए गए। यही ऐतिहासिक पृष्ठभूमि आज भी पाकिस्तान–ईरान संबंधों को अलग नजरिए से देखने के लिए मजबूर करती है। अब वैश्विक हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। ईरान आज अमेरिका का प्रमुख पश्चिम एशियाई प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। दूसरी ओर पाकिस्तान चीन का सबसे करीबी रणनीतिक सहयोगी बन चुका है। चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा और बढ़ता रक्षा सहयोग दोनों देशों को और नजदीक लेकर आए हैं। पाकिस्तान की सेना और वायुसेना का बड़ा हिस्सा अब चीनी हथियारों और तकनीक पर निर्भर होता जा रहा है।

यहीं पाकिस्तान की सबसे बड़ी चुनौती शुरू होती है। उसे एक साथ चीन, अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलन बनाकर चलना पड़ रहा है। अमेरिका के साथ रिश्ते पूरी तरह खत्म करना पाकिस्तान के लिए संभव नहीं है, क्योंकि आर्थिक सहायता, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और सुरक्षा मामलों में वाशिंगटन का प्रभाव अभी भी महत्वपूर्ण है। दूसरी तरफ चीन से दूरी बनाना भी पाकिस्तान के लिए आसान नहीं, क्योंकि उसका रक्षा और आर्थिक ढांचा तेजी से बीजिंग पर निर्भर होता जा रहा है। ऐसे में यदि पाकिस्तान ईरान के साथ किसी गुप्त सहयोग में

शामिल दिखाई देता है, तो अमेरिका की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। हालांकि अभी तक अमेरिका ने सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान पर कोई सीधा आरोप नहीं लगाया है, लेकिन अमेरिकी राजनीतिक और सुरक्षा हलकों में इस मुद्दे को लेकर चर्चा तेज हो चुकी है।

पाकिस्तान की समस्या यह भी है कि उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि पहले से ही संदेहों से घिरी रही है। ओसामा बिन लादेन का पाकिस्तान में मिलना अमेरिका–पाकिस्तान संबंधों में सबसे बड़ा अविश्वास पैदा करने वाली घटना बनी थी। अमेरिकी नीति विशेषज्ञ लंबे समय से यह आरोप लगाते रहे हैं कि पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था के कुछ हिस्से चुनिंदा उग्रवादी संगठनों के प्रति नरम रवैया रखते हैं। पाकिस्तान हमेशा इन आरोपों को नकारता रहा है, लेकिन संदेह पूरी तरह खत्म नहीं हुए। इसी कारण जब भी पाकिस्तान और ईरान के बीच किसी संभावित सैन्य सहयोग की बात सामने आती है, तो वाशिंगटन में चिंता बढ़ जाती है। कुछ अमेरिकी नेताओं ने हाल के दिनों में संकेत दिए हैं कि यदि पाकिस्तान वास्तव में ईरान को रणनीतिक या सैन्य सहायता देता पाया गया, तो अमेरिका को इस्लामाबाद के साथ अपने संबंधों की समीक्षा करनी पड़ सकती है। हालांकि पाकिस्तान लगातार यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि उसका उद्देश्य केवल क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखना है। इस्लामाबाद कई बार अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश भी कर चुका है। पाकिस्तान का दावा है कि दोनों देशों के साथ संवाद बनाए रखने की उसकी क्षमता क्षेत्रीय तनाव कम करने में मदद कर सकती है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में केवल बयान काफी नहीं होते, विश्वास भी उतना ही जरूरी होता है, और पाकिस्तान इसी मोर्चे पर सबसे कमजोर दिखाई देता है। इस पूरे समीकरण में चीन की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। चीन चाहता है कि पाकिस्तान क्षेत्र में उसका मजबूत साझेदार बना रहे। बीजिंग यह भी नहीं चाहेगा कि अमेरिका और पाकिस्तान के रिश्ते पूरी तरह टूट जाएं, क्योंकि इससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ सकती है और उसके आर्थिक हित प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए चीन अक्सर पाकिस्तान को एक "स्थिर मध्यस्थ" के रूप में पेश करने की कोशिश करता है। ईरान के लिए भी पाकिस्तान की अहमियत कम नहीं है। दोनों देशों की लंबी सीमा है और अफगानिस्तान से जुड़ी कई सुरक्षा चुनौतियां साझा हैं। सीमा पार आतंकवाद, बलूच उग्रवाद और तस्करी जैसे मुद्दे दोनों देशों को प्रभावित करते हैं। कई बार इन मुद्दों को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव भी बढ़ा, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपने रिश्ते पूरी तरह खराब नहीं होने दिए। ईरान जानता है कि क्षेत्रीय स्तर पर पूरी तरह अलग–थलग पड़ना उसके लिए नुकसानदायक होगा। ऐसे में पाकिस्तान उसके लिए एक महत्वपूर्ण पड़ोसी और संभावित रणनीतिक साझेदार बना रहता है। पाकिस्तान भी यह समझता है कि पश्चिम एशिया की राजनीति में ईरान को पूरी तरह नजरअंदाज करना उसके हित में नहीं होगा। पाकिस्तान की घरेलू परिस्थितियां भी उसकी विदेश नीति को प्रभावित करती हैं। देश इस समय आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव है, महंगाई लगातार बढ़ रही है और राजनीतिक संघर्षों ने सरकार और सेना दोनों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ऐसे समय में पाकिस्तान किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टकराव का हिस्सा बनने से बचना चाहता है।

यदि पाकिस्तान खुलकर ईरान के साथ खड़ा दिखाई देता है, तो उसे अमेरिका और पश्चिमी देशों के आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है। दूसरी ओर यदि वह पूरी तरह अमेरिकी नीति के साथ खड़ा होता है, तो घरेलू राजनीति में उसे भारी विरोध झेलना पड़ सकता है, क्योंकि पाकिस्तान में बड़ी संख्या में लोग पश्चिम विरोधी भावनाएं रखते हैं। यही कारण है कि पाकिस्तान की विदेश नीति अक्सर अस्पष्ट और संतुलनकारी दिखाई देती है। इस पूरे घटनाक्रम का असर केवल पाकिस्तान और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा। भारत, अफगानिस्तान, चीन और खाड़ी देशों पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पाकिस्तान और ईरान के बीच बढ़ती निकटता क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को प्रभावित कर सकती है। हालांकि भारत और ईरान के अपने रणनीतिक संबंध हैं, विशेषकर चाबहार बंदरगाह परियोजना के कारण, लेकिन पाकिस्तान–ईरान समीकरण में किसी भी बड़े बदलाव का असर पूरे क्षेत्र पर पड़ेगा। अफगानिस्तान भी इस समीकरण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वहां की अस्थिरता पाकिस्तान और ईरान दोनों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। यदि क्षेत्रीय तनाव और बढ़ता है, तो अफगानिस्तान एक बार फिर बड़ी शक्तियों की प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन सकता है। दरअसल, पाकिस्तान और ईरान को लेकर उठे हालिया सवाल केवल विमानों या सैन्य अड्डों तक सीमित नहीं हैं। यह उस व्यापक वैश्विक संघर्ष का हिस्सा हैं जिसमें अमेरिका, चीन, ईरान और दक्षिण एशियाई देश अपने–अपने हितों को सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहे हैं। पुराने रिश्ते, सामरिक मजबूरियां और बदलते वैश्विक गठबंधन इस पूरी राजनीति को और जटिल बना रहे हैं।1971 में ईरान ने पाकिस्तान की मदद की थी। आज यदि पाकिस्तान ईरान के प्रति नरम दिखाई देता है, तो उसमें इतिहास, रणनीति और वर्तमान परिस्थितियों का मिश्रण साफ दिखाई देता है। लेकिन बदलती दुनिया में पुराने एहसान चुकाना हमेशा आसान नहीं होता। कई बार इसकी कीमत नई कूटनीतिक मुश्किलों और अंतरराष्ट्रीय दबाव के रूप में चुकानी पड़ती है। पाकिस्तान इस समय एक बेहद कठिन मोड़ पर खड़ा है। उसे हर कदम सोच–समझकर उठाना होगा, क्योंकि एक छोटी रणनीतिक गलती उसके लिए बड़े राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संकट का कारण बन सकती है। यही वजह है कि आने वाले समय में पाकिस्तान की विदेश नीति पर पूरी दुनिया की नजर बनी रहेगी।

विचार विण्डो

मितव्ययिता की अपील पर राजनीति क्यों?

बोध प्रकाश सगुणी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोगों से गैरजरूरी सोना खरीदने से बचने, पेट्रोल–डीजल की खपत कम करने और संसाधनों का सीमित उपयोग करने की अपील ने नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। विपक्ष इसे सरकार की आर्थिक विफलता बताकर हमला कर रहा है, जबकि सरकार इसे राष्ट्रीय हित और आर्थिक संतुलन बचाने की जरूरत के रूप में पेश कर रही है। सवाल यह है कि क्या संकट के समय की गई ऐसी अपीलों को केवल राजनीति के चश्मे से देखा जाना चाहिए या फिर इन्हें व्यापक राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में समझने की जरूरत है।

भारत इस समय ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां वैश्विक हालात का सीधा असर उसकी अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। ईरान और अमेरिका के बीच टकराव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में अस्थिरता ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है। चूंकि भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में थोड़ी भी हलचल सीधे भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा देती है।

रिजर्व बैंक और कारोबारी आंकड़ों के अनुसार भारत ने चालू वित्त वर्ष में कुल 775 अरब डॉलर का आयात किया। इनमें केवल चार प्रमुख वस्तुओं–कच्चा तेल, सोना, खाद्य तेल और रासायनिक उर्वरकों–पर करीब 240 अरब डॉलर खर्च हुए। यह भारत के कुल आयात बिल का लगभग एक तिहाई है। सबसे ज्यादा खर्च कच्चे तेल पर हुआ, जहां भारत को अकेले 134 अरब डॉलर से अधिक चुकाने पड़े। भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत पेट्रोलियम आयात करता है, इसलिए तेल की कीमतों में हर बढ़ोतरी देश की आर्थिक स्थिति पर सीधा असर डालती है।

यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने लोगों से पेट्रोल–डीजल की खपत कम करने, कार पूलिंग अपनाने और ऊर्जा की बचत करने की अपील की। यह कोई राजनीतिक बयान नहीं बल्कि आर्थिक दबाव की वास्तविकता को स्वीकार करने वाला संदेश है। यदि आयात बिल लगातार बढ़ता रहेगा, तो उसका असर विदेशी मुद्रा भंडार, महंगाई और विकास दर–तीनों पर दिखाई देगा।

सोने का मामला भी इसी आर्थिक दबाव से जुड़ा है। भारतीय समाज में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी–विवाह और पारिवारिक आयोजनों में सोना खरीदना परंपरा का हिस्सा रहा है। लेकिन जब वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हों और उसका आयात विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी बोझ डाल रहा हो, तब सरकार की चिंता स्वाभाविक है।

मौजूदा वित्त वर्ष में भारत ने सोने के आयात पर करीब 72 अरब डॉलर खर्च किए। यह पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक है। प्रधानमंत्री ने लोगों से केवल गैरजरूरी खरीद टालने की अपील की है, न कि सोना खरीदने पर रोक लगाने की बात कही है। इसके बावजूद विपक्ष ने इसे आम लोगों की निजी स्वतंत्रता में हस्तक्षेप बताने की कोशिश की। दरअसल, राजनीति में हर मुद्दे को सरकार बनाम जनता के रूप में प्रस्तुत करना आसान होता है, लेकिन राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था केवल राजनीतिक नारेबाजी से नहीं चलती। भारत की एक और बड़ी चुनौती खाद्य तेल का आयात है। देश अपनी जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत खाद्य तेल विदेशों से मंगाता है। इस पर भी भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। हालांकि खानपान से जुड़ी जरूरतों में कटौती आसान नहीं, लेकिन सीमित उपयोग और घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर जोर देना व्यावहारिक उपाय माना जा सकता है। इसी तरह रासायनिक उर्वरकों के आयात में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। सरकार लंबे समय से प्राकृतिक खेती और जैविक विकल्पों को बढ़ावा देने की बात करती रही है। प्रधानमंत्री द्वारा किसानों से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करने और सोलर पंप अपनाने की अपील इसी व्यापक नीति का हिस्सा है। इसका उद्देश्य केवल आयात कम करना नहीं, बल्कि दीर्घकालिक ऊर्जा और कृषि सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। विपक्ष का यह तर्क अपनी जगह हो सकता है कि सरकार को आर्थिक प्रबंधन बेहतर करना चाहिए, लेकिन यह भी सच है कि मौजूदा संकट केवल भारत की देन नहीं है।

पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, महंगाई और आपूर्ति बाधाओं से जूझ रही है। अमेरिका और यूरोप जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भी आर्थिक दबाव महसूस कर रही हैं। ऐसे में यदि भारत सरकार लोगों से मितव्ययिता और संयम की अपील करती है, तो इसे केवल राजनीतिक चश्मे से देखना उचित नहीं होगा।

भारतीय इतिहास में ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं, जब राष्ट्रीय संकट के समय जनता से सहयोग की अपील की गई। 1960 के दशक में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने लोगों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाया गया। जनता और विपक्ष दोनों ने इसे राष्ट्रीय आवश्यकता मानकर समर्थन दिया। बाद में हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना दिया। आज हालात अलग जरूर हैं, लेकिन चुनौती कम गंभीर नहीं है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट, बढ़ता आयात बिल और वैश्विक अस्थिरता भारत के लिए चिंता का विषय हैं। यदि समय रहते खपत और आयात पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो आने वाले समय में आर्थिक दबाव और बढ़ सकता है। हालांकि सरकार की जिम्मेदारी केवल अपील करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उसे घरेलू उत्पादन बढ़ाने, वैकल्पिक ऊ र्जा स्त्रोतों को मजबूत करने और आयात पर निर्भरता घटाने के लिए ठोस नीतियां भी लागू करनी होंगी। केवल जनता से संयम की उम्मीद करना पर्याप्त नहीं होगा। सरकार को यह भरोसा भी देना होगा कि वह दीर्घकालिक समाधान पर गंभीरता से काम कर रही है। इसके बावजूद यह मानना पड़ेगा कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी होती है। यदि संकट के समय सरकार जनता से सहयोग मांगती है, तो उस पर केवल राजनीति करना उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में आलोचना जरूरी है, लेकिन हर अपील को राजनीतिक हमले में बदल देना भी स्वस्थ परंपरा नहीं माना जा सकता।

गुजरात टाइटंस से करारी हार के बाद एसआरएच पर गिरी गाज

पैट कमिंस पर लगा जुर्माना, स्लो ओवर रेट बना वजह

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद को गुजरात टाइटंस के खिलाफ शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। यह मैच टीम और कप्तान पैट कमिंस के लिए बेहद निराशाजनक साबित हुआ। पहले टीम को बड़े अंतर से हार झेलनी पड़ी और उसके बाद बीसीसीआई ने कप्तान पर कार्रवाई करते हुए जुर्माना भी लगा दिया।

गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और निर्धारित ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम पूरी तरह लड़खड़ा गई और सिर्फ 86 रन पर सिमट गई। इस तरह टीम को 82 रन की बड़ी हार का सामना करना पड़ा, जिसने प्लेऑफ की उम्मीदों को भी झटका दिया। मैच के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद की टीम धीमी ओवर गति (स्लो ओवर रेट) बनाए रखने की दोषी पाई गई। इसी वजह से कप्तान पैट कमिंस पर बीसीसीआई ने 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। यह इस सीजन में पहली बार था जब एसआरएच ने ओवर रेट नियम का उल्लंघन किया, लेकिन इसके बावजूद नियमों के तहत कप्तान पर कार्रवाई की गई।

बीसीसीआई के नियमों के अनुसार, निर्धारित समय में ओवर पूरे न करने पर कप्तान पर जुर्माना लगाया जाता है और मैदान पर फील्डिंग प्रतिबंध भी लागू किया जा सकता है, जैसा कि इस मैच में देखने को मिला। ओवर रेट की वजह से टीम को मैदान पर भी नुकसान झेलना पड़ा, जहां केवल चार फील्डर ही 30 गज के घेरे के बाहर रह सकते थे। इससे गेंदबाजों पर दबाव और बढ़ गया और गुजरात टाइटंस को बड़ा स्कोर बनाने में मदद मिली।

यह हार सनराइजर्स हैदराबाद के लिए बेहद महंगी साबित हुई है। एक तरफ प्लेऑफ की रेस में टीम की स्थिति कमजोर हुई, वहीं दूसरी ओर कप्तान पर लगा जुर्माना और टीम का खराब प्रदर्शन दोनों ने मिलकर दबाव बढ़ा दिया है। अब टीम को आने वाले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा ताकि वह टूर्नामेंट में अपनी स्थिति सुधार सके।

सीएसके में शामिल हुए 24 साल के विस्फोटक बल्लेबाज मैकनील हैडली नरोन्हा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स ने प्लेऑफ की रेस के बीच बड़ा कदम उठाते हुए युवा बल्लेबाज मैकनील हैडली नरोन्हा को अपनी टीम में शामिल किया है। यह बदलाव चोटिल खिलाड़ी रामकृष्ण घोष के रिप्लेसमेंट के तौर पर किया गया है। सीएसके फिलहाल अंक तालिका में मजबूत स्थिति बनाए हुए है और अंतिम मुकाबलों से पहले यह फैसला टीम की बैटिंग को और मजबूती देने के लिए लिया गया है।

मैकनील हैडली नरोन्हा ने घरेलू क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। 24 साल के इस ऑलराउंडर ने सीके नायडू ट्रॉफी 2024-25 में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 14 पारियों में 1037 रन बनाए थे। उनकी औसत 79.77 की रही और उन्होंने तीन शतक तथा दो अर्धशतक जड़े। खास बात यह रही कि उन्होंने उत्तराखंड और त्रिपुरा के खिलाफ ट्रिपल सेंचुरी भी लगाई थी। उनके नाम 25 छक्के और 23 चौकों के साथ कई विस्फोटक पारियां दर्ज हैं, जिसने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। नरोन्हा सिर्फ बल्लेबाज ही नहीं बल्कि उपयोगी गेंदबाज भी हैं। उन्होंने महाराजा टी20 ट्रॉफी 2025 में 13 मैचों में 253 रन बनाए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 148.82 रहा। इसके अलावा उन्होंने

मैकनील हैडली के नाम 25 छक्के और 23 चौकों के साथ कई विस्फोटक पारियां दर्ज हैं

गेंदबाजी में 10 विकेट भी हासिल किए और उनकी इकॉनमी 7.44 रही। इस वजह से उन्हें एक परफेक्ट टी20 ऑलराउंडर माना जा रहा है। मैकनील नरोन्हा ने दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स जैसे बड़े फ्रेंचाइजी के लिए ट्रायल भी दिए थे। हालांकि अब तक उन्हें आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिला था, लेकिन 2026 सीजन में उनका डेब्यू लगभग तय माना जा रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स को अपने आखिरी लीग मुकाबलों में लखनऊ सुपर जायंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस से भिड़ना है। ऐसे में टीम को उम्मीद है कि नरोन्हा जैसे युवा खिलाड़ी मध्यक्रम में नई ऊर्जा और आक्रामकता जोड़ सकते हैं, जिससे प्लेऑफ की राह और मजबूत हो सके।

कन्नड़ अभिनेता दिलीप राज का निधन फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म और टेलीविजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। मशहूर कन्नड़ अभिनेता और निर्माता दिलीप राज का 48 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है।

बताया जा रहा है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। उनके अचानक निधन से पूरी कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री और उनके प्रशंसकों में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, दिलीप राज को अचानक हार्ट अटैक आया, जिसके बाद उनकी हालत गंभीर हो गई। अस्पताल में इलाज के प्रयास किए गए, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके निधन की खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस और सेलेब्स ने उन्हें श्रद्धांजलि देना शुरू कर दिया। दिलीप राज कन्नड़ सिनेमा और टेलीविजन दोनों में एक जाना-पहचाना नाम थे।

उन्होंने 'मिलन', 'यू-टर्न', 'ऑर्केस्ट्रा मैसूर', 'बॉयफ्रेंड' और 'लव मॉकटेल 3' जैसी फिल्मों में काम किया। फिल्म 'मिलन' में उनके अभिनय को खास सराहना मिली थी, जहां उन्होंने खलनायक की भूमिका निभाई थी। वे टीवी जगत में भी काफी लोकप्रिय थे। उन्होंने 'हिटलर कल्याण', 'जननी', 'रंगोली', 'कुमकुम भाग्य' और कई अन्य धारावाहिकों में काम किया। इसके अलावा उन्होंने कुछ रियलिटी शोज भी होस्ट किए और प्रोडक्शन हाउस के जरिए कई टीवी प्रोजेक्ट्स का निर्माण भी किया। उनके निधन से कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में गहरा दुख है। कई सहकर्मियों और कलाकारों ने उन्हें एक प्रतिभाशाली और मेहनती कलाकार बताया है। दिलीप राज का अचानक जाना इंडस्ट्री के लिए एक बड़ी क्षति माना जा रहा है।

घर के बाहर फिर फिसली पाकिस्तान की टीम, जीत का लंबा इंतजार जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की विदेशों में खराब फॉर्म एक बार फिर सामने आई है। बांग्लादेश दौरे पर गई टीम को पहले ही टेस्ट मैच में 104 रनों से करारी हार झेलनी पड़ी। यह हार न केवल सीरीज में झटका है, बल्कि टीम की लगातार गिरती टेस्ट परफॉर्मेंस को भी उजागर करती है।

आंकड़े बताते हैं कि पाकिस्तान ने साल 2023 के बाद से अब तक विदेश में कोई भी टेस्ट मैच नहीं जीता है। टीम ने आखिरी विदेशी टेस्ट जीत श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में दर्ज की थी। उसके बाद से पाकिस्तान ने बाहर कुल छह टेस्ट खेले हैं और सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

यह सिलसिला और भी चिंताजनक इसलिए है क्योंकि बाकी टेस्ट खेलने वाली टीमें इस दौरान कम से कम एक विदेशी जीत जरूर दर्ज कर चुकी हैं, लेकिन पाकिस्तान इस मोर्चे पर पूरी तरह विफल रहा है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेले गए पहले टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को हर विभाग में मात दी। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में पाकिस्तान संघर्ष करता नजर आया। इस हार का असर डब्ल्यूटीसी अंक तालिका पर भी पड़ा है, जिससे पाकिस्तान की स्थिति और कमजोर हो गई है। इस मुकाबले में एक और चौंकाने वाला रिकॉर्ड जुड़ गया, जहां पाकिस्तान तीसरी ऐसी टीम बन गई जिसने एक टेस्ट पारी में तीन बार 100 से अधिक रनों की साझेदारी करने के बावजूद मैच हार दिया। इससे टीम की अस्थिरता और रणनीतिक कमजोरियां साफ नजर आती हैं। अब सीरीज में केवल एक टेस्ट मैच बचा है, जो 16 मई से खेला जाएगा। पाकिस्तान के पास अब सीरीज जीतने का मौका नहीं बचा है, लेकिन आखिरी मैच जीतकर वह सीरीज को बराबरी पर खत्म कर सकता है। हालांकि मौजूदा फॉर्म को देखते हुए यह भी आसान चुनौती नहीं होगी।

राही अनिल बर्वे की नई एआई फिल्म 'वन-विदिशा' का ट्रेलर जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्ममेकर राही अनिल बर्वे एक बार फिर अपने अनोखे प्रयोगों के लिए चर्चा में हैं। 'तुम्बाड़' जैसी कल्ट फिल्म बनाने वाले बर्वे ने अब अपनी नई एआई आधारित फिल्म 'वन-विदिशा' का ट्रेलर सोशल मीडिया पर जारी किया है। इससे पहले उनकी एआई फिल्म 'मन-पिशाच' को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

'वन-विदिशा' का ट्रेलर एक रहस्यमयी जंगल की दुनिया को दिखाता है, जहां लोककथा और कल्पना का मिश्रण नजर आता है। कहानी में एक राजा, एक अप्सरा, एक मसखरा और एक पुनर्जीवित की गई लड़की जैसे किरदार शामिल हैं। यह फिल्म प्रकृति, रहस्य और फैंटेसी का अनोखा मेल पेश करती है। ट्रेलर के विजुअल्स और किरदारों की वेशभूषा इसे एक पौराणिक और रहस्यमयी दुनिया से जोड़ते हैं, जो दर्शकों को अलग अनुभव देने का वादा करता है।

राही अनिल बर्वे पहले भी कम बजट में प्रयोगात्मक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्म 'मन-पिशाच' सिर्फ 33 हजार रुपये के बजट में बनाई गई थी, जिसे घर पर कंप्यूटर की मदद से तैयार किया गया था। इस फिल्म को यूट्यूब पर रिलीज किया गया था और इसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। राही अनिल बर्वे ने अपनी पहचान फिल्म 'तुम्बाड़' से बनाई थी, जिसे दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने सराहा था। हालांकि अब वे 'तुम्बाड़ 2' का हिस्सा नहीं हैं। इस सीक्वल का निर्देशन इस बार आदेश प्रसाद कर रहे हैं और इसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी नजर आएंगे।

बिना गॉडफादर पहचान बनाने वाली सोनिका गिल की कहानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड की दुनिया में कई कलाकार ऐसे रहे हैं जिन्होंने बिना किसी गॉडफादर के अपनी मेहनत से पहचान बनाई। इन्हीं में से एक थीं एक्ट्रेस सोनिका गिल, जिन्होंने फिल्म 'राम लखन' में अपने किरदार से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। हालांकि एक दर्दनाक हादसे ने उनके करियर को अचानक मोड़ दे दिया और वह इंडस्ट्री से दूर हो गईं।

साल 1989 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'राम लखन' में सोनिका गिल ने विविया का किरदार निभाया था। यह किरदार नकारात्मक भूमिका में होने के बावजूद दर्शकों को काफी पसंद आया। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और एक्टिंग ने उन्हें रातों-रात पहचान दिला दी। इस फिल्म में अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ और माधुरी दीक्षित जैसे बड़े सितारे थे, लेकिन सोनिका गिल ने भी अपनी छाप छोड़ी। सोनिका गिल दिल्ली की रहने वाली थीं और एक क्लासिकल डांसर थीं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत छोटे और साइड रोल्स से की थी। बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, जिनमें 'प्रेम गीत', 'नजराना प्यार का', 'आज की आवाज' और 'अनोखा इंसान' शामिल हैं। कहा जाता है कि उनकी प्रतिभा देखकर निर्देशक सुभाष घई ने उन्हें कई प्रोजेक्ट्स में मौका दिया था। अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाने के बावजूद एक हादसे ने उनके करियर को बुरी तरह प्रभावित किया। एक एक्सीडेंट के बाद वह लंबे समय तक फिल्मी दुनिया से दूर हो गईं और धीरे-धीरे स्क्रीन से गायब हो गईं। सोनिका गिल भले ही लंबे समय से फिल्मों में नजर नहीं आईं, लेकिन 'राम लखन' में उनका किरदार आज भी दर्शकों को याद है।

सैफई से लखनऊ तक पसरा शोक और सन्नाटा

प्रतीक की मौत पर सपा ने उठाए सवाल, जांच की मांग

यूनिक समय, लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव (38) की मौत होने से राजनीतिक और पारिवारिक हलकों में शोक की लहर है। उन्हें सुबह करीब छह बजे सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद अब मामले को लेकर कई सवाल भी उठने लगे हैं।

सूत्रों के अनुसार, प्रतीक यादव के शरीर पर चोट के निशान पाए जाने की बात सामने आई है। इसी आधार पर समाजवादी पार्टी के एक विधायक ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि मौत के कारणों की गहराई से जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और जांच के लिए विसरा सुरक्षित रख लिया गया है। प्रशासन ने सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की बारीकी से जांच कर रही है। प्रतीक यादव के निधन की खबर से सैफई और लखनऊ दोनों जगह शोक का माहौल है। परिवार के करीबी और समर्थक लगातार आवास पर पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां गमगीन स्थिति बनी हुई है। कई नेताओं ने इस घटना को बड़ी क्षति बताया है और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। फिलहाल सभी की नजरें पुलिस जांच पर टिकी हैं। सपा विधायक की मांग के बाद मामला और गंभीर हो गया है और लोग सच्चाई सामने आने का इंतजार कर रहे हैं।

पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे अखिलेश यादव

यूनिक समय, लखनऊ। मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव के निधन के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतीक से करीब दो महीने पहले मुलाकात हुई थी। अखिलेश ने बताया कि प्रतीक अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग और जुझारू स्वभाव के व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि प्रतीक जीवन में आगे बढ़ना चाहते थे और अपनी मेहनत से पहचान बनाना चाहते थे। मौत की वजहों पर अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। 38 वर्षीय प्रतीक यादव को बुधवार सुबह तबीयत बिगड़ने पर सिविल अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शरीर पर मिले चोट के निशान से बढ़ा सस्पेंस

पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी सबकी निगाहें

सैल्यूट नहीं करने पर नया सिपाही पुलिस लाइन रवाना

यूनिक समय, बरेली। आंवला थाने में तैनात नए रिक्रूट सिपाही परम सिंह को एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा को सैल्यूट न करने पर अतिरिक्त प्रशिक्षण के लिए पुलिस लाइन भेज दिया गया। यह मामला उस समय सामने आया जब एसपी दक्षिणी थाने के निरीक्षण के लिए पहुंचीं और गेट पर ड्यूटी कर रहे सिपाही ने उन्हें अभिवादन नहीं किया। बताया गया कि एसपी अंशिका वर्मा इन दिनों क्षेत्र के थानों का निरीक्षण कर रही हैं। नौ मई को वह आंवला थाने पहुंचीं, जहां सीओ और थाना स्टाफ पहले से मौजूद था। उसी दौरान गेट पर तैनात नए सिपाही परम सिंह ने उन्हें सैल्यूट नहीं किया। इस पर एसपी ने नाराजगी जताते हुए थाना प्रभारी से कहा कि नए जवानों को अधिकारियों के अभिवादन और अनुशासन की सही ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। थाना प्रभारी ने सफाई दी कि परम सिंह हाल ही में प्रशिक्षण पूरा कर थाने में तैनात हुआ है और अभी अनुभवहीन है। इसके बाद एसपी ने आदेश दिया कि उसे 15 दिन के लिए रिजर्व पुलिस लाइन भेजा जाए, जहां ड्रिल और अनुशासन संबंधी अतिरिक्त प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सिपाही परम सिंह ने अपनी सफाई में कहा कि एसपी सादा कपड़ों में थीं, इसलिए वह उन्हें पहचान नहीं सका। हालांकि विभागीय प्रक्रिया के तहत उसे पुलिस लाइन भेज दिया गया। यह आदेश सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। कुछ लोग इसे पुलिस अनुशासन के लिए जरूरी कदम बता रहे हैं, जबकि कुछ ने इसे ज्यादा सख्त कार्रवाई माना। एसपी अंशिका वर्मा ने स्पष्ट किया कि यह दंड नहीं, बल्कि नए सिपाहियों को बेहतर प्रशिक्षण देने की सामान्य प्रक्रिया है।

रिश्तों का खूनी अंत, साली की हत्या कर खुद को गोली से उड़ाया

यूनिक समय, कुशीनगर। जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां जीजा ने अपनी साली की गोली मारकर हत्या करने के बाद खुद को भी गोली मार ली। इस वारदात ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और परिवार में मातम छा गया है।

जानकारी के अनुसार, 27 वर्षीय जितेंद्र प्रजापति मंगलवार शाम अपने ससुराल कुशीनगर के बसडिला बुर्जुग गांव आया था और वहीं रुका था। बुधवार सुबह नाश्ते के बाद उसने 18 वर्षीय साली नैना कुमारी को कमरे में बुलाया। दोनों के बीच बातचीत के बाद उन्होंने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। कुछ ही देर बाद कमरे के अंदर से गोली चलने की आवाज सुनाई दी, जिससे

घर और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जब लोग मौके पर पहुंचे तो कमरा अंदर से बंद था। परिवार के लोगों और ग्रामीणों ने जब खिड़की से झांका तो अंदर का दृश्य देखकर दंग रह गए। जीजा ने पहले साली को गोली मारी और फिर खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। एएसपी और एसडीएम ने स्थिति का जायजा लिया और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मुठभेड़ में एक लाख का इनामी बदमाश ढेर

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ के लोहियानगर थाना क्षेत्र के अलीपुर में बुधवार तड़के एसटीएफ और कुख्यात बदमाश जुबैर के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस कार्रवाई में एक लाख रुपये का इनामी अपराधी जुबैर मारा गया। बताया गया कि घेराबंदी के दौरान जुबैर ने एसटीएफ टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने कार्रवाई की। घायल हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

जुबैर कुख्यात मुनीर गैंग का सक्रिय सदस्य था और उसके खिलाफ हत्या, लूट, डकैती, हत्या के प्रयास और एनडीपीएस एक्ट समेत दो दर्जन से अधिक गंभीर मुकदमे दर्ज थे। वह दिसंबर 2025 में अलीगढ़ के एएमयू शिक्षक राव दानिश हिलाल की हत्या के मामले में फरार चल रहा था। इसी मामले में अलीगढ़ पुलिस ने उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने एक बाइक, दो पिस्टल, जिंदा कारतूस और कई खोखे बरामद किए हैं। पुलिस अब उसके नेटवर्क और साथियों की तलाश में जुटी है।

नोएडा हिंसक प्रदर्शन मामला, दो आरोपियों पर एनएसए की कार्रवाई

यूनिक समय, नोएडा। नोएडा में 13 अप्रैल को हुए श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शन मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी सत्यम वर्मा और आकृति की भूमिका प्रदर्शन की साजिश रचने और भीड़ को भड़काने में अहम पाई गई है।

जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपियों ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों का इस्तेमाल कर लोगों को प्रदर्शन में शामिल होने के लिए उकसाया था। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान हालात हिंसक हो गए थे, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित हुई।

मामले की जांच कर रही टीम ने कई अन्य संदिग्धों की भी पहचान की है। पुलिस अब उनके खिलाफ साक्ष्य जुटाने और आगे की कानूनी कार्रवाई करने में जुटी है। अधिकारियों के मुताबिक, कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

जेएन मेडिकल कॉलेज में पकड़ा फर्जी डॉक्टर, महिला वार्ड में मचा हड़कंप

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के जेएन मेडिकल कॉलेज में एक फर्जी डॉक्टर पकड़े जाने से हड़कंप मच गया। आरोपी सफेद एप्रन पहनकर और गले में स्टेथोस्कोप डालकर महिला वार्ड में घूम रहा था। वह खुद को डॉक्टर बताकर मरीजों से संपर्क बना रहा था और जांच व इलाज के नाम पर बातचीत कर रहा था।

महिला वार्ड के स्टाफ को युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों को सूचना दी गई। पूछताछ में वह सही जवाब नहीं दे सका। आरोपी ने अपना नाम मोहम्मद इस्लाम निवासी संभल बताया। उसने स्वीकार किया कि वह निजी अस्पतालों के लिए मरीजों को ले जाने का काम करता है। पुलिस ने आरोपी के पास से मेडिकल जांच फॉर्म, सर्जिकल ब्लेड, सिरिंज, सुइयां और ब्लड-यूरिन सैंपल कलेक्शन वायल्स बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि आरोपी फर्जी जांच और अवैध वसूली के नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। प्रॉक्टोरियल टीम की शिकायत पर थाना सिविल लाइंस में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बिना नक्शा पास प्लॉटिंग करने वालों में मचा हड़कंप

कानपुर में केडीए का बड़ा एक्शन, 66 बीघा अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने बुधवार को प्रवर्तन जोन-तीन में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 66 बीघा क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध प्लॉटिंग पर बुलडोजर चला दिया। यह कार्रवाई उपाध्यक्ष अंकुर कौशिक के निर्देश पर विशेष कार्याधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई।

फत्तेपुर क्षेत्र में बिना मानचित्र स्वीकृति और अनुमति के विकसित की जा रही प्लॉटिंग को चार जेसीबी मशीनों की मदद से ध्वस्त किया गया। करीब साढ़े

तीन घंटे तक चले अभियान में अवैध सड़कें, नाले, बाउंड्रीवॉल, बिजली के खंभे, पिलर, एंट्री गेट, सीवर लाइन और कई निर्माणाधीन भवन तोड़ दिए गए। केडीए ने बिनगवां, रमईपुर, बिधनू और सेन पश्चिम पारा समेत छह अन्य अवैध प्लॉटिंग साइट्स को भी चिन्हित किया है। इनमें कई स्थानों पर बड़े स्तर पर बिना स्वीकृति प्लॉटिंग विकसित की जा रही थी।

केडीए के रडार पर छह और अवैध प्लॉटिंग साइट्स

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि तय समय में जवाब नहीं मिलने पर इन जगहों पर भी सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई होगी। केडीए ने आम लोगों से अपील की है कि जमीन खरीदने से पहले प्लॉटिंग का ले-आउट और मानचित्र प्राधिकरण से स्वीकृत है या नहीं, इसकी जांच जरूर करें, ताकि भविष्य में नुकसान से बचा जा सके।

डकैती के चार आरोपियों पर 50-50 हजार का इनाम घोषित

यूनिक समय, गाजियाबाद। गाजियाबाद में छह मई को दिनदहाड़े कैश वैन से 27 लाख रुपये की डकैती की घटना को अंजाम देने वाले चार आरोपियों पर पुलिस ने इनाम बढ़ाकर 50-50 हजार रुपये कर दिया है। आरोपियों में जुबैर, उसका भाई शोएब, समीर और फिरोज शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि चारों अभी फरार हैं और उनकी तलाश में कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि डकैती का मास्टरमाइंड जुबैर विजयनगर में बांस-बल्ली की दुकान चलाता था, जबकि उसका भाई शोएब कपड़ों की फेरी लगाता था। दोनों ने अपने पड़ोसी फिरोज को भी वारदात में शामिल किया था। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल के मुताबिक, क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के परिजनों से पूछताछ कर अहम जानकारी जुटाई है। पुलिस को सूचना मिली है कि आरोपी उत्तराखंड और मुजफ्फरनगर क्षेत्र में छिपे हो सकते हैं। चार टीमें लगातार उनकी तलाश में जुटी हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपी कोर्ट में सरेंडर की कोशिश में हैं, लेकिन जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उत्तराखंड तक पहुंची पुलिस, डकैतों की तलाश जारी

कई मुख्यमंत्रियों ने घटाया काफिला

सीएम से लेकर मंत्रियों तक शुरू हुई ईंधन बचाने की नई मुहिम

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचाने और फिजूल खर्च कम करने की अपील का असर अब देशभर में दिखाई देने लगा है। पीएम मोदी ने हाल ही में लोगों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, विदेश यात्राएं टालने और खर्चों में कटौती की अपील की थी। इसके बाद कई राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्री और बड़े नेताओं ने अपने काफिलों में वाहनों की संख्या कम कर दी है।

सबसे पहले खुद पीएम मोदी ने अपने काफिले में शामिल गाड़ियों की संख्या करीब 50 फीसद तक घटाने का फैसला लिया। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल पर भी जोर दिया गया है। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह के काफिले में भी गाड़ियों की संख्या कम नजर आई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने और मंत्रियों के काफिले में 50 फीसदी कटौती का आदेश दिया। उन्होंने वर्चुअल मीटिंग, नो व्हीकल डे, कार पूलिंग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की भी बात कही।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री ने भी अपने काफिले छोटे कर दिए हैं। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी कारकेड में वाहनों की संख्या घटाने और अधिकारियों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट अपनाने की सलाह दी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकारी कामों में सीमित वाहनों के इस्तेमाल का फैसला लिया। वहीं दिल्ली सरकार के मंत्री मेट्रो और ई–रिक्शा से सफर करते नजर आए।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का काफिला भी काफी छोटा दिखाई दिया। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस सरकार ने मंत्रियों की विदेश यात्राओं में कटौती और वर्चुअल बैठकों को बढ़ावा देने के निर्देश जारी किए हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी मंत्रियों और अफसरों के काफिले घटाने तथा वाहन रैलियों पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। पीएम मोदी की अपील के बाद देशभर में ईंधन बचत को लेकर एक नई मुहिम शुरू होती दिखाई दे रही है।

एयर इंडिया ने कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रोकी

यूनिक समय, नई दिल्ली। एयर इंडिया ने जून से अगले तीन महीनों के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क में बड़ी कटौती करने का फैसला लिया है। एयरलाइन ने दिल्ली से शिकागो, नेवार्क, सिंगापुर और शंघाई की उड़ानें अस्थायी रूप से बंद कर दी हैं। वहीं सैन फ्रांसिस्को, पेरिस और टोरंटो के लिए फ्लाइट्स की संख्या भी घटाई गई है। कंपनी के अनुसार, जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतें और पाकिस्तान एयरस्पेस बंद होने से ऑपरेशन लागत काफी बढ़ गई है।

पत्नी का करियर बनाना क्रूरता नहीं : सुप्रीम कोर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं के अधिकार और वैवाहिक संबंधों को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि पत्नी का अपने करियर को आगे बढ़ाने का प्रयास किसी भी स्थिति में "वैवाहिक क्रूरता" नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि 21वीं सदी में भी महिलाओं की पेशेवर पहचान को पति की सहमति तक सीमित करना बेहद पिछड़ी सोच को दर्शाता है।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि देश जब महिला सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब किसी महिला के करियर को परिवार या पति की भावनाओं से जोड़कर गलत ठहराना संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है। अदालत ने स्पष्ट किया कि पति या ससुराल की असहमति के कारण किसी महिला के करियर निर्णय को "क्रूरता" कहना चिंताजनक मानसिकता को दर्शाता है। यह मामला एक महिला डेंटिस्ट से जुड़ा था, जिसकी शादी 2009 में एक आर्मी अफसर से हुई थी। पति की पोस्टिंग कारगिल में थी, लेकिन बेटी की तबीयत खराब होने पर महिला अहमदाबाद लौट आई और वहीं रहकर अपना डेंटल करियर दोबारा शुरू किया।

फैमिली कोर्ट और बाद में हाईकोर्ट ने महिला के मायके में रहने और क्लिनिक खोलने को वैवाहिक क्रूरता माना था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इन फैसलों पर हैरानी जताते हुए उन्हें पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। अदालत ने कहा कि किसी महिला से अपने सपनों और पेशे का त्याग करने की उम्मीद करना आधुनिक समाज और संविधान की भावना के विपरीत है।

नाइजीरिया में हवाई हमले पर विवाद

बाजार में 100 नागरिकों की मौत का दावा

हवाई हमले में बाजार और आसपास के इलाकों को निशाना बनाया गया

यूनिक समय, नई दिल्ली। नाइजीरिया में सेना के एक हवाई हमले को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने दावा किया है कि देश के उत्तरी हिस्से में स्थित टुम्फा बाजार पर हुए सैन्य हमले में करीब 100 आम नागरिक मारे गए, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चे और छोटी लड़कियां शामिल थीं। हालांकि, नाइजीरियाई सेना ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, इस हवाई हमले में बाजार और आसपास के इलाकों को निशाना बनाया गया। संगठन के निदेशक इसा सनुसी ने दावा किया कि सिर्फ एक गांव में 80 लोगों को दफनाया गया है। उन्होंने कहा कि अब तक ऐसा कोई सबूत सामने नहीं आया है जिससे यह साबित हो सके कि मारे गए लोग किसी हथियारबंद संगठन से जुड़े थे। रेड क्रॉस के अधिकारी इब्राहिम बेलो गारबा ने भी हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में नागरिकों की जान गई है। दूसरी ओर, सेना के प्रवक्ता माइकल ओनोजा ने कहा कि आम नागरिक सेना के निशाने पर नहीं होते और उन्हें नुकसान से बचाने की पूरी कोशिश की जाती है। गौरतलब है कि नाइजीरिया लंबे समय से बोको हराम और अन्य आतंकी संगठनों के खिलाफ अभियान चला रहा है।

अजरबैजान से भारत लाया गया ड्रग तस्कर प्रभदीप

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सीबीआई और अजरबैजान की एजेंसियों की मदद से फरार ड्रग तस्कर प्रभदीप सिंह को बाकू से भारत लाकर गिरफ्तार किया है। आरोपी 358 किलो हेरोइन बरामदगी मामले में लंबे समय से वांटेड था। पुलिस के मुताबिक, प्रभदीप विदेश में बैठे ड्रग माफिया नवप्रीत सिंह उर्फ "नव" के भारत स्थित नेटवर्क को संभालता था और तस्करी से जुड़े आरोपियों तक निर्देश पहुंचाता था।

उदयनिधि के बयान पर भड़की वीएचपी, कार्रवाई की मांग

वीएचपी ने तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री से भी इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा

यूनिक समय, नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद ने डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म को लेकर दिए गए बयान की कड़ी निंदा की है। वीएचपी ने मांग की है कि तमिलनाडु विधानसभा में दिए गए उनके बयान को सदन की कार्यवाही से हटाया जाए। संगठन ने इसे समाज को बांटने वाला और हिंदू आस्थाओं का अपमान बताया है।

दरअसल, तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने अपने भाषण के दौरान कहा था कि "सनातन धर्म लोगों को बांटता है, इसलिए इसे खत्म किया जाना चाहिए।" यह बयान उन्होंने सितंबर 2023 में दिए गए अपने पुराने विवादित बयान को दोहराते हुए दिया। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक और धार्मिक संगठनों में फिर से नाराजगी बढ़ गई है। वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि बार–बार सनातन और हिंदू परंपराओं का अपमान करना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या उदयनिधि किसी अन्य धर्म के खिलाफ भी ऐसी टिप्पणी करने की हिम्मत दिखाएंगे। वीएचपी ने तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री से भी इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। संगठन का कहना है कि राज्य सरकार को मंदिरों और सनातन परंपराओं से बड़ा राजस्व मिलता है, ऐसे में उसी परंपरा के खिलाफ बयान देना विडंबना है। आलोक कुमार ने कहा कि सनातन केवल एक धर्म नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने दावा किया कि इतिहास में कई विचारधाराएं खत्म हो गईं, लेकिन सनातन आज भी मजबूती से कायम है और आगे भी समाज का मार्गदर्शन करता रहेगा।

बर्थडे पार्टी के बहाने बुजुर्ग दंपति से करोड़ों की लूट

यूनिक समय, नई दिल्ली। हैदराबाद में नेपाली गैंग की एक और बड़ी वारदात सामने आई है, जिसने शहर में दहशत फैला दी है। मलकाजगिरि के गोल्फ एन्क्लेव इलाके में घरेलू कामगार बनकर रह रहे नेपाली दंपती और उनके साथियों ने एक बुजुर्ग दंपती को बंधक बनाकर करोड़ों रुपये के जेवर, नकदी और कीमती सामान लूट लिया।

पुलिस के अनुसार, सेवानिवृत्त प्रोफेसर एन. मुरली मोहन और उनकी पत्नी डॉ. विजया लक्ष्मी ने करीब 20 दिन पहले नेपाली दंपती को घरेलू काम के लिए रखा था। दोनों ने धीरे–धीरे परिवार का भरोसा जीत लिया। सोमवार रात उन्होंने घर में जन्मदिन मनाने की अनुमति मांगी और करीब छह साथियों को बुला लिया।

रात में आरोपियों ने पहले घर के सीसीटीवी कैमरे और हार्ड डिस्क को तोड़ दिया। इसके बाद बुजुर्ग दंपती को एक कमरे में बांध दिया गया। दंपती ने बदमाशों से जान बख्शने की गुहार लगाई, लेकिन आरोपियों ने उन्हें नशीला पदार्थ देकर बेहोश कर दिया। इसके बाद घर से करीब 70 तोला सोना, 20 किलो चांदी, नकदी और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घटना का खुलासा तब हुआ जब अगले दिन दोपहर में दंपती को होश आया और उन्होंने मदद के लिए आवाज लगाई। आसपास मौजूद मजदूरों ने उन्हें मुक्त कराया और पुलिस को सूचना दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने छह विशेष टीमें गठित की हैं। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि आरोपी दिल्ली के रास्ते नेपाल भाग गए हैं। पुलिस घरेलू कामगारों के सत्यापन और पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है।

ताइवान समेत चार मुद्दों पर अमेरिका को चीन की चेतावनी

बीजिंग का सख्त संदेश, ट्रंप से नहीं होगा इन मुद्दों पर समझौता

ट्रंप के चीन पहुंचने से पहले ड्रैगन ने अपनाया कड़ा रुख

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 13 से 15 मई तक प्रस्तावित चीन दौरे से पहले बीजिंग ने अपने रुख को लेकर सख्त संदेश दिया है। अमेरिका स्थित चीनी दूतावास ने साफ कहा है कि चीन-अमेरिका संबंधों में चार ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। चीन ने इन्हें अपनी "रेड लाइन" बताया है।

चीनी दूतावास के मुताबिक, ताइवान का मुद्दा, लोकतंत्र और मानवाधिकार, दोनों देशों की राजनीतिक व्यवस्था तथा चीन के विकास का अधिकार ऐसे विषय हैं, जिन पर कोई बातचीत या दबाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। चीन ने कहा कि इन मुद्दों को चुनौती देना दोनों देशों के रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकता है।

हालांकि, चीन ने यह भी संकेत दिए कि वह अमेरिका के साथ स्थिर और रचनात्मक संबंध चाहता है। दूतावास ने कहा कि आपसी सम्मान, शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व और सहयोग ही दोनों देशों के लिए सही रास्ता है। दूसरी ओर, राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन दौरे को आर्थिक और कारोबारी दृष्टि से अहम बताया है। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। ट्रंप के साथ कई बड़े अमेरिकी कारोबारी भी चीन जा रहे हैं, जिनमें एनवीआईडीआईए के सीईओ जेन्सेन हुआंग, एलन मस्क, टिम कुक और लैरी फिंक जैसे दिग्गज शामिल हैं। व्हाइट हाउस के अनुसार, ट्रंप के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ भी मौजूद रहेंगे, जबकि प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप इस दौरे में शामिल नहीं होंगी।

पुर्तगाल से लाया गया हिजबुल कनेक्शन वाला आतंकी शेरा गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को बड़ी सफलता मिली है। पुर्तगाल से प्रत्यर्पण की मंजूरी मिलने के बाद हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नार्को-आतंकी इकबाल सिंह उर्फ शेरा को भारत लाकर गिरफ्तार कर लिया गया। शेरा पिछले छह वर्षों से पुर्तगाल में छिपा हुआ था और उसके खिलाफ 2020 से गैर–जमानती वारंट जारी था। बाद में इंटरपोल ने भी उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था। एनआईए जांच में सामने आया कि अमृतसर निवासी शेरा पाकिस्तान से हेरोइन तस्करी कराने वाले बड़े नेटवर्क का मास्टरमाइंड था। वह ड्रग्स की सप्लाई, हवाला नेटवर्क और अवैध फंडिंग के जरिए आतंकियों तक पैसा पहुंचाता था। एजेंसी के मुताबिक, यह रकम कश्मीर और पाकिस्तान में सक्रिय हिजबुल मुजाहिदीन के गुर्गों तक पहुंचाई जाती थी, जिससे आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा मिलता था।

28 प्रांतों के प्रतिनिधियों ने मथुरा में तय की व्यापार की नई दिशा

व्यापारियों को मिले पेंशन और 'टैक्स कलेक्टर' का दर्जा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन (मथुरा)। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के बैनर तले आयोजित दो दिवसीय व्यापारी अधिवेशन का आज समापन हो गया। दूसरे दिन 28 प्रांतों से आए व्यापारी प्रतिनिधियों ने एकजुटता का परिचय देते हुए व्यापारिक उत्पीड़न और ऑनलाइन बाजार की चुनौतियों के खिलाफ हुंकार भरी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने देश भर से आए व्यापारियों का अभिनंदन किया। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि ऑनलाइन ट्रेडिंग एक ऐसा 'नासूर' है जो पारंपरिक व्यापारियों को खत्म कर रहा है। उन्होंने इसे देश के साथ धोखा करार दिया। उन्होंने इनकम टैक्स की जटिल धाराओं पर प्रहार करते हुए मांग की कि छोटे व्यापारियों को सरल 'एक टैक्स' के दायरे में लाया जाए और बैंकों से बिना किसी अड़चन के आसान ऋण उपलब्ध कराया जाए। अधिवेशन के दौरान व्यापार मंडल ने एक व्यापक मांग पत्र प्रस्तुत किया।

वृंदावन में आयोजित अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता का स्वागत करते व्यापारी।

इसमें मुख्य रूप से व्यापारियों के लिए पेंशन योजना लागू करने, 'व्यापारी राहत कोष' की स्थापना करने, पेंशन हेतु जीएसटी का 2% भाग इस कोष में जमा करने, बाजारों में सरकार अपने खर्च पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने और पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की।

वहीं एनसीआर में प्रदूषण के नाम पर हो रहे उत्पीड़न को रोकने, उद्योगों को गैस रहित जनरेटर पर 1987 की तर्ज पर सब्सिडी दिलाने की मांग की। राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री व उत्तर प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा के ऑनलाइन व्यापार के खिलाफ तीखे स्वर सुनाई दिए।

मथुरा महानगर अध्यक्ष डॉ. विशाल खुराना बॉबी भैया ने प्रधानमंत्री की अपील का स्वागत करते हुए सुझाव दिया कि 'सोना न खरीदने' की बात पर सर्राफा व्यापारियों के नुकसान की भरपाई के लिए सरकार को ठोस विकल्प पेश करना चाहिए।

अधिवेशन में व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य सुनील पांडे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल मांट वाले , प्रदेश

विभागीय अवैध वसूली और ई-कॉमर्स के खिलाफ एकजुट हुआ व्यापार जगत

अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष शिव शंकर वर्मा, प्रदेश मंत्री प्रयागनाथ चतुर्वेदी, प्रदेश मंत्री नंदकिशोर गुसाई, जिला अध्यक्ष मुकेश वार्ष्णेय, जिला महामंत्री हरिओम अग्रवाल, राजकुमार गोयल नगर महामंत्री, नगर मंत्री राकेश गौड़, नगर उपाध्यक्ष विनोद महाबनियां, नगर उपाध्यक्ष वीके उपाध्याय, नगर कोषाध्यक्ष बॉबी बृजवानी, नगर मीडिया प्रभारी विकास खन्ना, संत मिश्रा प्रदेश महामंत्री युवा, गोवर्धन तहसील अध्यक्ष गणेश पहलवान, फतेह सिंह, मनीष चतुर्वेदी नगर युवा अध्यक्ष, वृंदावन नगर अध्यक्ष धनेंद्र कुमार बॉबी, चेयरमैन मुकुंद मोहन शर्मा कल्लू पहलवान आदि उपस्थित थे।

दबंगों ने किया हमला, दो महिला सहित तीन लोग घायल

ग्राम समाज की जमीन पर कूड़ा डालने को लेकर हुआ विवाद

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। गांव उमराया में आज सुबह ग्राम समाज की जमीन पर घूरा (कंडा) डालने के मामूली विवाद ने तूल पकड़ लिया। इसके बाद जाट बिरादरी के दबंगों ने कोरी समाज के एक परिवार पर हमला कर दिया। हमले में परिवार की दो महिलाओं सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

उमराया निवासी कोरी समाज और जाट बिरादरी के बीच ग्राम समाज की जमीन पर घूरा डालने को लेकर पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था। बताया गया कि इसी रंजिश के चलते दबंगों ने योजनाबद्ध तरीके से आज सुबह प्रातः सात बजे कोली समाज के एक परिवार के घर पर धावा बोल दिया। लाठी-डंडों से लैस हमलावरों ने घर में घुसकर गाली गलोच की विरोध करने पर हमलावरों ने पिंकी का सिर फाड़ दिया।

इसके अलावा हेमलता और प्रमोद को बुरी तरह से घायल कर दिया। पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस को पीड़ितों ने हमालावरों के खिलाफ तहरीर दी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में बुर्जुग ने खाया विषाक्त पदार्थ

इलाज के दौरान हॉस्पिटल में हुई मौत

यूनिक समय,सौंख, मथुरा। गांव नगला रेतू में संदिग्ध परिस्थितियों में एक वृद्ध ने विषाक्त का सेवन कर लिया जिसके चलते उनकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार थाना मगोर्रा के गांव नगला रतू निवासी वृद्ध जुगेंद्र सिंह (65) ने मंगलवार की देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खा लिया। इसके चलते वृद्ध की हालत बिगड़ने लगी। परिवार के लोगों को जब इस बात का पता लगा तो उनमें हड़कंप मच गया। आनन-फानन में परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए हॉस्पिटल ले गए। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान आज प्रातः करीब चार बजे मौत हो गई। वृद्ध की हॉस्पिटल में हुई मौत का पता लगने पर वहां पहुंची पुलिस ने वृद्ध के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तमंचाधारी के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। छाता पुलिस ने एनएच 19 पर अकबरपुर के धीमपार्क के समीप से दिगंबर निवासी अकबरपुर को एक तमंचा और कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है।

दवा लेकर लौटते बाइक सवार की दुर्घटना में मौत

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा से दवा लेकर देर रात गांव लौटते एक बाइक सवार युवक को परखम गूजर सेही रोड पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। थाना शेरगढ़ के गांव नगला चौहान बिडोरा निवासी अरुण बीती रात मथुरा से दवा लेने के बाद बाइक से गांव के लिए लौट रहा था। रास्ते में थाना जैत के परखम गूजर के निकट सेही रोड पर उसकी बाइक को तेज गति से दौड़ते अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में अरुण की मौत हो गई। पुलिस को भी दुर्घटना का पता लगा तो मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की तलाशी ली और अरुण मौत के बारे में उसके परिवार को सूचना दी। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रात के सन्नाटे में सिलाई मशीन से बदल रहीं महिलाएं किस्मत

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। कहते हैं कि अगर इरादे बुलंद हों तो अंधेरा भी रास्ता नहीं रोक सकता। छाता क्षेत्र की महिलाओं ने इस बात को सच कर दिखाया है। यहां की ग्रामीण महिलाएं सिलाई-कढ़ाई को न केवल अपना हुनर बना चुकी हैं, बल्कि इसे एक बड़े स्वरोजगार में बदलकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं।

छाता की इन महिलाओं के जज्बे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे दिनभर घर के कामकाज निपटाने के बाद रात के समय भी चैन से नहीं बैठतीं। घर की

छाता कस्बा में सिलाई करती एक महिला।

आर्थिक स्थिति को मजबूती देने के लिए महिला रेखा दुबे देर रात तक बैग बनाने का कार्य कर रही हैं। मशीनों की टकटकी और सिलाई की गूंज अब इन घरों की नई पहचान बन गई है। रेखा दुबे पिछले सात वर्षों से बैग बनाने का काम कस्बा छाता कर रही है। इस काम ने महिला के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। इस कार्य से रेखा दुबे हर महीने सम्मानजनक राशि कमा रही हैं। कमाई का यह जरिया बच्चों की शिक्षा और घर के खर्चों में बड़ा योगदान दे रहा है। अब ये महिलाएं केवल गृहणी ही नहीं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक रीढ़ बन गई हैं। काम में लगी हुई रेखा ने बताया कि अब यह हमारी पहचान है। रात में काम करके हम न केवल अपना समय बचाती हैं, बल्कि अपने पैरों पर खड़ी होकर समाज के लिए एक उदाहरण भी पेश कर रही हैं। आज के दौर में जहां बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है, वहां ये महिलाएं अन्य महिलाओं के लिए एक आदर्श बनकर उभरी हैं। इनका यह जुनून साबित करता है कि मेहनत और लगन से किसी भी परिस्थिति को बदला जा सकता है।

संकट के समय घबराने की जरूरत नहीं, हेल्प लाइन नंबर करेंगे मदद

महिलाओं को समझाती कांस्टेबल पूजा।

यूनिक समय, छाता मथुरा। बुधवार को कोतवाली पहुंची महिलाओं को महिला पुलिस कांस्टेबल ने जागरूक किया। कांस्टेबल पूजा ने महिलाओं को बताया कि संकट के समय घबराने के बजाय उन्हें सरकार द्वारा जारी किए गए हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये नंबर 24 घंटे सक्रिय रहते हैं और महिलाओं की गोपनीयता का पूरा ध्यान रखा जाता है। कांस्टेबल पूजा ने उपस्थित महिलाओं को कहा, "अक्सर महिलाएं लोक-लाज के डर से अपनी समस्याओं को दबा देती हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं। मिशन शक्ति का उद्देश्य आपको यह अहसास दिलाना है कि आप अकेली नहीं हैं।

पुलिस आपकी सुरक्षा के लिए हर कदम पर खड़ी है।" थाने में आई महिलाओं ने कांस्टेबल पूजा की इस पहल की काफी सराहना की। महिलाओं का कहना था कि अक्सर उन्हें इन नंबरों की सही जानकारी नहीं होती थी, लेकिन अब वे खुद को अधिक सुरक्षित महसूस कर रही हैं।

मातृ शक्ति सम्मान समारोह में गूंजी प्रेरणा और संस्कृति

मातृ दिवस के अवसर पर अग्रवाटिका में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। श्री अग्रवाल सभा महिला समिति द्वारा अग्रवाटिका में मातृ दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मातृ शक्ति के सम्मान और नारी गौरव का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भागवताचार्य कीर्ति किशोरी ने भारत माता की छवि के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने "ऐ माँ तेरे चरणों में हम आकाश झुका देंगे" गीत प्रस्तुत करते हुए कहा कि माँ से बढ़कर जीवन में मार्गदर्शन देने वाला कोई नहीं होता।

संरक्षिका रजनी तायल, संयोजिका आशा अग्रवाल व मीरा अग्रवाल, अध्यक्ष रेनू शिववाला, मंत्री शशि अग्रवाल, संगठन मंत्री मीरा ब्लू डॉट तथा अग्र माधवी समिति संयोजिका प्रीति अग्रवाल ने मुख्य अतिथि का शाल, पटुका, मोती जड़ित हार एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया।

प्रियंका, शिल्पी, प्रीति, वंशिका, श्रेया और पूजा ने भारत माता, अहिल्याबाई, रानी दुर्गावती, लक्ष्मीबाई, जीजाबाई, पन्नाधाय और छत्रपति शिवाजी के स्वरूपों का मंचन कर वीर गाथाओं को जीवंत किया। वहीं रिमझिम, संध्या, मोहिनी, राखी, मेघा, पूजा और प्रीति ने गीतों व नृत्यों के माध्यम से मातृत्व की महिमा प्रस्तुत की। संचालन शशि अग्रवाल ने किया तथा अध्यक्ष रेनू अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में वंदना बंसल, नगीना अग्रवाल, सुनीता, उषा अग्रवाल, डॉ. दीपा अग्रवाल, मीनाक्षी, बबिता, सीमा, श्वेता अग्रवाल, रंजना बंसल और राधा सिंघल सहित अनेक महिलाएं मौजूद रहीं।

नाबालिग को भगा ले जाने के दोषी को तीन साल कैद की सजा

यूनिक समय मथुरा। एडीजे पॉक्सो एक्ट न्यायालय के न्यायाधीश ने एक अभियुक्त को नाबाविलग को बहला कर भगा ले जाने के मामले में तीन साल की कैद और पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। थाना सुरीर के गांव भदनवारा निवासी युवक दीपक एक नाबालिग किशोरी को बहला कर भगा ले गया था। इस मामले में थाना सुरीर में उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे पॉक्सो एक्ट न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त को उक्त सजा से दंडित किया।

बाइक की टक्कर से वृद्धा की मौत

यूनिक समय, सुरीर। सुरीर कस्बा में सड़क पार करने के दौरान एक वृद्धा को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में वृद्धा की मौत हो गई। बताया गया कि बीती रात करीब साढ़े दस बजे सुरीर बिजऊनिवाली वृद्धा बिनता देवी (61) पत्नी अमीचंद सड़क से होकर घर के लिए जा रही थी। घर जाने के लिए सड़क पार करते समय तेज गति से आते बाइक सवार ने वृद्धा को टक्कर मार दी। दुर्घटना में वृद्धा की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार के लोगों को जब बिनता देवी की मौत का पता लगा तो वहां कोहराम मच गया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने वृद्धा के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।